CNews सिटी चीफ
सिटी चीफ
वर्ष-15, अंक-341
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया
इंदौर, मंगलवार 18 मार्च 2025
सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार
CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

रंग पंचमी पर कार्यालय में अवकाश रहेगा
अगला अंक 20 को प्रकाशित होगा
- संपादक

रेड मारने पहुंची डीआरआई और एटीएस टीम के उड़े होश

बंद फ्लैट में मिला 100 किलो सोना

अहमदाबाद। गुजरात के अहमदाबाद से होश उड़ा देने वाला मामला सामने आया है। अहमदाबाद शहर के पालडी इलाके में स्टॉक मार्केट संचालक के खाली फ्लैट पर डायरेक्टोरेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस (डीआरआई) और एंटी टेररिज्म स्क्वॉड (एटीएस) ने जॉइंट ऑपरेशन के तहत की छापेमारी की। इस रेड में टीम को जो कुछ मिला, उसे देखकर अधिकारियों की आंखें बाहर आ गई। स्टॉक ब्रोकर के बंद पड़े फ्लैट से 100 किलो सोना, भारी मात्रा में जेवर और बहुत सारा कैश बरामद हुआ है। जांच एजेंसियों और पुलिस को सूचना मिलने के बाद इस रेड को अंजाम दिया गया। करीब 25 अधिकारियों ने सोमवार दोपहर शेयर बाजार संचालक के पालडी स्थित आविष्कार अपार्टमेंट के फ्लैट नंबर 104 पर छापा मारा। पता चला कि इस फ्लैट के मालिक महेंद्र शाह और मेघ शाह नाम के व्यक्ति हैं।

पहली बार इतनी बड़ी बरामदगी गुजरात में हाल के समय में यह पहली इतनी बड़ी बरामदगी है। टीम को फ्लैट पर बंद बक्सा मिला। जब उसे खोला गया तो छापेमारी करने पहुंचे अधिकारी भी दंग रह गए। बड़े पैमाने पर सोना मिलने के बाद उसे कैमरे की नजर में सीज किया गया है। फिलहाल, स्टॉक मार्केट के ब्रोकर से पूछताछ चल रही है और यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि इतनी भारी मात्रा में सोना आया कहां से?

कैश गिनने की मशीनें और तराजू मंगाए गए माना जा रहा है कि जांच में और भी सामान जब्त किया जाएगा। छापे के दौरान, नोट गिनने के लिए दो मशीनें और सोना तौलने के लिए इलेक्ट्रिक तराजू भी मंगाए गए। जांच में पता चला कि सोने के बिस्किट बरामत हुए हैं, जिनका कुल जमा वजन 95.5 किलो बताया जा रहा है। इसके अलावा, कुछ जेवरात भी बरामद किए गए हैं। सब मिलाकर बाजार में इसकी कीमत 83 से 85 करोड़ रुपये तक आंकी जा रही है। इसके अलावा, रेड में करीब 60 से 70 लाख रुपये कैश मिला है।

रेल बजट पर चर्चा में बोले रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव

पाक-श्रीलंका और पश्चिमी देशों से भी कम है भारत में रेल किराया

नई दिल्ली। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोमवार को राज्यसभा में रेल बजट पर चर्चा और मतदान के दौरान कहा कि भारतीय रेल का यात्री किराया न सिर्फ पड़ोसी देशों की तुलना में, बल्कि पश्चिमी देशों की तुलना में भी काफी कम है। रेल मंत्रालय के कामकाज पर उच्च सदन में हुई चर्चा का जवाब देते हुए वैष्णव ने कहा कि भारत में रेल यात्री किराया पड़ोसी देशों की तुलना में काफी कम है। उन्होंने इस क्रम में पाकिस्तान, बांग्लादेश और श्रीलंका के रेल भाड़ों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि पश्चिमी देशों में रेल किराया तो भारत की अपेक्षा 10-15 प्रतिशत अधिक है। रेल मंत्री वैष्णव ने कहा कि रेलवे अपने यात्रियों को कम से कम किराये के साथ सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण सुविधाएं मुहैया कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि विद्युतीकरण से रेल को काफी फायदा हुआ है और यात्रियों की संख्या एवं कार्गो की मात्रा में वृद्धि होने के बाद भी ऊर्जा खर्च स्थिर है। उन्होंने कहा कि बिहार के मढौरा स्थित कारखाने में बनने वाले लोकोमोटिव का जल्दी ही निर्यात शुरू होने वाला है। वैष्णव ने कहा कि पड़ोसी देशों की तुलना में भारतीय रेल किराया सबसे कम है। उन्होंने कहा कि अगर 350 किलोमीटर की यात्रा को देखें, तो भारत में सामान्य श्रेणी का किराया 121 रुपये है। वहीं, पाकिस्तान में 400 रुपये, श्रीलंका में 413 रुपये है। उन्होंने कहा कि 2020 से किराए में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

विपक्ष ने कहा पांच साल में 200 रेल दुर्घटनाएं हुई लोकसभा में सोमवार को रेल बजट पर चर्चा और मतदान के दौरान तृणमूल कांग्रेस के सांसद कल्याण बनर्जी ने सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि महाकुंभ के दौरान नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर 15 फरवरी को मची भगदड़ में मारे गए 18 लोगों के मामले में रेल मंत्री और रेलवे मशीनरी पूरी तरह से नाकाम रही। उन्होंने कहा कि कहा कि संपूर्ण रेलवे बजट में कमी आई है। उन्होंने दावा किया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 के रेलवे बजट में दो लाख 65 हजार करोड़ रुपए का बजट दिया गया। जो की वित्त वर्ष 2023-24 के 2.92 लाख करोड़ रुपए था। इसमें करीब नौ प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई। बनर्जी ने कहा कि बजट में कमी से ना केवल रेलवे में सेवा की गुणवत्ता प्रभावित होंगी बल्कि यात्रियों की सुरक्षा पर भी इसका असर पड़ेगा। उन्होंने दावा किया कि पिछले पांच सालों में 200 रेल दुर्घटनाएं हुई। इनमें 351 लोगों की मौत हुई और 970 घायल हुए।

बीजापुर में 19 नक्सलियों ने किया सरेंडर, 9 पर था 28 लाख का इनाम

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर में सोमवार को 19 नक्सलियों ने सरेंडर कर दिया। 19 में से 9 नक्सलियों पर कुल मिलाकर 28 लाख रुपये का इनाम था। पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के वरिष्ठ अधिकारियों के सामने इन नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया। उन्होंने बताया कि उन्होंने खोखली और अमानवीय माओवादी विचारधारा से मोहभंग होने,वरिष्ठ कैडरों द्वारा निर्दोष आदिवासियों के शोषण और प्रतिबंधित संगठन के भीतर बढ़ते मतभेदों के कारण आत्मसमर्पण किया है। यह जानकारी बीजापुर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जितेंद्र कुमार यादव ने दी। उन्होंने यह भी कहा कि वे सुरक्षा बलों के बढ़ते प्रभाव से प्रभावित थे,जिसमें शिविरों की स्थापना और निया नेल्लनार (आपका अच्छा गांव) योजना शामिल है। इस योजना के तहत अधिकारी अंदरूनी इलाकों में बुनियादी सुविधाएं प्रदान करने और विकास कार्य करने के प्रयास कर रहे हैं। यादव ने बताया कि सभी आत्मसमर्पित नक्सली माओवादियों के आंध्र ओडिशा बॉर्डर (अडइ) डिवीजन और पामेड एरिया कमेटी में विभिन्न क्षमताओं में सक्रिय थे। आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों में से देवा पदम (30) और उनकी पत्नी दूले कालमू (28) माओवादियों की बटालियन नंबर 1 में वरिष्ठ सदस्यों के रूप में सक्रिय थे और उन पर 8-8 लाख रुपये का इनाम था। अधिकारी ने बताया कि एरिया कमेटी के सदस्य सुरेश कट्टम (21) पर 5 लाख रुपये का इनाम था,जबकि आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों में से एक पर 2 लाख रुपये का इनाम था और पांच अन्य पर 1-1 लाख रुपये का इनाम था। उन्होंने कहा कि जिला रिजर्व गार्ड, बस्तर फाइटर्स, स्पेशल टास्क फोर्स,सीआरपीएफ और इसकी विशिष्ट इकाई कोबरा (कमांडो बटालियन फॉर रिजॉल्यूट एक्शन) ने उनके आत्मसमर्पण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सभी आत्मसमर्पित नक्सलियों को 25,000 रुपये प्रत्येक की सहायता प्रदान की गई और सरकार की नीति के अनुसार उनका पुनर्वास किया जाएगा, अधिकारी ने कहा। इसके साथ ही, इस साल अब तक बस्तर रेंज के बीजापुर जिले में 84 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। पिछले साल, सात जिलों वाले बस्तर क्षेत्र में 792 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया था।

नीट पीजी परीक्षा 15 जून को दो शिफ्ट में होगी, एनबीईएमएस का ऐलान

नई दिल्ली। नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन इन मेडिकल साइंसेज (एनबीईएमएस) ने नीट पीजी 2025 की परीक्षा तिथि की घोषणा कर दी है। नीट पीजी 2025 परीक्षा 15 जून 2025 को दो शिफ्टों में कंप्यूटर आधारित टेस्ट मोड में आयोजित की जाएगी। इसके अलावा, एनबीईएमएस ने जानकारी दी है कि नीट पीजी 2025 के लिए सूचना बुलेटिन जल्द ही अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर प्रकाशित किया जाएगा, जिसमें आवेदन तिथि, शुल्क, पात्रता, परीक्षा पैटर्न और अन्य महत्वपूर्ण विवरण होंगे। इस बुलेटिन में परीक्षा से संबंधित सभी जरूरी जानकारी जैसे आवेदन प्रक्रिया, पात्रता मापदंड, परीक्षा का स्वरूप, पाठ्यक्रम आदि के बारे में विस्तार से बताया जाएगा। छात्र जिनका सपना मेडिकल पोस्टग्रेजुएट कोर्स में प्रवेश प्राप्त करना है, वे जल्द ही परीक्षा के लिए पंजीकरण कर सकेंगे। नीट पीजी 2025 परीक्षा अखिल भारतीय कोटा, राज्य कोटा, डीम्ड/केंद्रीय विश्वविद्यालयों और निजी कॉलेजों सहित विभिन्न संस्थानों में 12,690 मास्टर ऑफ सर्जरी, 24,360 डॉक्टर ऑफ मेडिसिन और 922 डिप्लोमा सीटों पर प्रवेश प्रदान करेगी।

अप्रैल में और 4 फीसदी महंगी हो जाएंगी मारुति सुजुकी की गाड़ियां

नई दिल्ली। कार बनाने वाली देश की सबसे बड़ी कंपनी मारुति सुजुकी की गाड़ियां अप्रैल 2025 से महंगी हो जाएंगी। कंपनी ने अपने वाहनों की कीमत में 4 परसेंट तक की बढ़ोतरी करने का फैसला लिया है। मारुति सुजुकी इंडिया ने कहा कि कच्चे माल की बढ़ती लागत और ऑपरेशनल खर्चों के चलते गाड़ियों की कीमतें बढ़ाने का फैसला लिया गया है। कंपनी ने यह भी कहा है कि अलग-अलग मॉडलों की कीमतें अलग-अलग बढ़ेंगी। कंपनी ने कहा कि लागत को कम से कम रखने के लिए हर तरह की चुनौतियां स्वीकार की गईं और अब बढ़े हुए खर्च का कुछ हिस्सा अनिवार्य रूप से उपभोक्ताओं पर भी डाला जाएगा। कंपनी ने यह कदम एक ऐसे समय में उठाया है, जब ऑटो सेक्टर कच्चे माल की अधिक लागत और बढ़े हुए लॉजिस्टिक्स खर्च के चलते पहले से ही दबाव में है।

बता दें कि इससे पहले भी कंपनी ने इस साल जनवरी में 4 परसेंट तक की कीमतें बढ़ाई थीं। इसमें अलग-अलग मॉडल्स की कीमत में 1,500 रुपये से 32,500 रुपये तक की बढ़ोतरी हुई थी। इससे पहले दिसंबर में भी कीमतों में बढ़ोतरी का ऐलान किया गया था। फरवरी में फिर से कीमतें बढ़ाई गईं और अब अप्रैल में कीमतें बढ़ाई जाएंगी। समय-समय पर गाड़ियों की बढ़ती हुई कीमतें इस बात का संकेत देती है कि ऑटोमोटिव इंडस्ट्री मुश्किल हालातों में से होकर गुजर रहा है। कंपनी ग्राहकों पर बढ़ी हुई कीमतों का प्रभाव कम से कम करने के लिए प्रतिबद्ध है, लेकिन लागत का कुछ बोझ बाजारों में भी स्थानांतरित किया जाएगा। मारुति सुजुकी के अलावा टाटा मोटर्स, हुंडई, महिंद्रा, किया, स्कोडा, जीप, सिट्रोएन, मर्सिडीज-बेंज, बीएमडब्ल्यू और ऑडी ने भी इस साल गाड़ियों की कीमत बढ़ाने का फैसला लिया है। इनमें से कई ऐसी कंपनियां हैं, जिन्होंने जनवरी 2025 में 2 परसेंट से 4 परसेंट के बीच दाम बढ़ाए हैं।

भारत से मिली हार नहीं पचा पा रहे न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री लक्सन

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन पांच दिवसीय भारत दौरे पर पहुंचे है। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की और आर्थिक साझेदारी जैसे मुद्दों पर चर्चा की। मुलाकात के बाद पीएम लक्सन ने मीडिया को संबोधित किया और चैंपियंस ट्रॉफी में भारत से मिली हार का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि वे पीएम मोदी को धन्यवाद देना चाहते हैं कि उन्होंने बातचीत के दौरान न्यूजीलैंड की हार का जिक्र नहीं किया। संयुक्त प्रेस वार्ता के दौरान न्यूजीलैंड के पीएम लक्सन ने कहा कि मैं वास्तव में सराहना करता हूं कि पीएम मोदी ने भारत के खिलाफ न्यूजीलैंड की चैंपियंस ट्रॉफी की हार का मुद्दा नहीं उठाया और मैंने भारत में हमारी टेस्ट जीत का मसला नहीं उठाया। आइए, इसे ऐसे ही रहने देते हैं। इस पर पीएम मोदी समेत वहां मौजूद सभी लोग हंस पड़े। बता दें कि भारत ने दुबई में खेले गए चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल मुकाबले में न्यूजीलैंड को चार विकेट से हराया था और 12 साल बाद चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब अपने नाम कर लिया था।

थोक महंगाई दर में बढ़त, जनवरी के 2.31% से बढ़कर 2.38% पर

नई दिल्ली। फरवरी में थोक मूल्य मुद्रास्फीति दर यानी थोक महंगाई दर बढ़कर 2.38 प्रतिशत हो गई। जनवरी में यह 2.31 प्रतिशत थी। सोमवार को जारी सरकारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। सोमवार को जारी सरकारी आंकड़ों के अनुसार फरवरी, 2025 में मुद्रास्फीति की सकारात्मक दर मुख्य रूप से खाद्य उत्पादों, खाद्य वस्तुओं, अन्य विनिर्माण, गैर-खाद्य वस्तुओं और कपड़ा निर्माण आदि के विनिर्माण की कीमतों में वृद्धि के कारण है। एक सर्वेक्षण में अर्थशास्त्रियों ने थोक मूल्य मुद्रास्फीति 2.36त्न रहने का अनुमान लगाया था। थोक खाद्य मुद्रास्फीति जनवरी में 7.47% से घटकर पिछले महीने 5.94% हो गई। प्राथमिक वस्तुओं की मुद्रास्फीति जनवरी में 4.69 प्रतिशत से घटकर फरवरी में 2.81 प्रतिशत हो गई। इस बीच, ईंधन और बिजली की थोक कीमतों में पिछले महीने 0.71 प्रतिशत की कमी आई, जबकि जनवरी में इसमें 2.78 प्रतिशत की कमी आई थी। विनिर्मित उत्पादों की कीमतों में फरवरी में 2.86 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि पिछले महीने इसमें 2.51 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी।

अमेरिका की राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड को श्रीकृष्ण देते हैं शक्ति

पीएम मोदी ने तुलसी गबार्ड को दिया प्रयागराज महाकुंभ का जल

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को अमेरिका की राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड से मुलाकात की। इस दौरान पीएम मोदी ने प्रयागराज महाकुंभ से लाया गया गंगाजल तुलसी गबार्ड को भेंट किया।

तुलसी गबार्ड ने कहा कि भगवद् गीता में श्रीकृष्ण द्वारा अर्जुन को दी गई शिक्षाएं उन्हें पूरे दिन शक्ति, शांति और आराम देती हैं। भारत दौरे पर आई अमेरिका की राष्ट्रीय खुफिया निदेशक ने भगवान श्रीकृष्ण के प्रति भक्ति और अपनी आध्यात्मिक साधना के बारे में बात की। तुलसी गबार्ड ने कहा कि मैं अपने अच्छे और बुरे समय में श्रीमद् भगवद गीता में भगवान श्रीकृष्ण की शिक्षाओं का अनुसरण करती हूं। भगवान के साथ मेरा व्यक्तिगत संबंध मेरे जीवन का केंद्र है। मैं हर दिन ईश्वर को प्रसन्न करने वाला जीवन जीने की पूरी कोशिश करती हूं। ऐसा करने का इससे बेहतर तरीका क्या हो सकता है कि मैं ईश्वर की संतानों की सेवा करने की पूरी कोशिश करूं।

बुरे समय में काम आते हैं श्रीकृष्ण के उपदेश तुलसी गबार्ड ने कहा कि मेरे जीवन के अलग-अलग समय में चाहे वह दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में युद्ध क्षेत्रों में सेवा करना हो या फिर आज हमारे सामने आने वाली चुनौतियां हो, मैं भगवद् गीता में अर्जुन को दिए गए श्रीकृष्ण के उपदेशों का ही सहारा लेती हूं। वे मेरे सबसे अच्छे और सबसे बुरे समय में मेरे काम आते हैं। मैं कृष्ण से अर्जुन को दिए गए उपदेशों को लगातार सीखती रहती हूं। यह मुझे शक्ति, शांति और सुकून देता है।

भारत का भोजन हमेशा स्वादिष्ट होता है तुलसी गबार्ड ने कहा कि मुझे भारत से बहुत प्यार है। जब मैं यहां होती हूं तो मुझे हमेशा घर जैसा महसूस होता है। लोग बहुत स्वागत करने वाले और दयालु हैं। यहां भोजन हमेशा स्वादिष्ट होता है। दाल मखनी और ताजा पनीर के साथ कुछ भी स्वादिष्ट होता है। अमेरिकी टैरिफ पर तुलसी गबार्ड ने कहा कि मैंने भारत सरकार के अधिकारियों से जो सुना है, वह यह है कि हमारे आर्थिक संबंधों को मजबूत करने की अधिक संभावना को देखने का अवसर है। मुझे यह देखकर खुशी हुई कि वे इसे सकारात्मक दृष्टिकोण से देख रहे हैं, न कि केवल नकारात्मक दृष्टिकोण से।

इस्लामिक आतंकवाद खत्म करने की प्रतिबद्धता तुलसी गबार्ड ने इस्लामी आतंकवाद के खतरे को हराने के लिए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की अटूट प्रतिबद्धता को दोहराया। इसे उन्होंने अमेरिकी लोगों के लिए सीधा खतरा बताया। गबार्ड ने इस बात पर जोर दिया कि पीएम मोदी भी आतंकवाद के खतरे को गंभीरता से लेते हैं। उन्होंने कहा कि दोनों देश इस लगातार खतरे से निपटने के लिए एक साथ मिलकर काम कर रहे हैं। बता दें कि तुलसी गबार्ड भारत की ढाई दिन की यात्रा पर रविवार तड़के नई दिल्ली आईं। यह अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन के किसी शीर्ष अधिकारी की भारत की पहली उच्चस्तरीय यात्रा है। तुलीस गबार्ड कनाडा के खुफिया विभाग के प्रमुख डेनियल रोजर्स और ब्रिटेन के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जोनाथन पॉवेल दुनियाभर के उन शीर्ष खुफिया अधिकारियों में शामिल हैं, जिन्होंने भारत की ओर से आयोजित सुरक्षा सम्मेलन में हिस्सा लिया।

चंद्रबाबू ने स्टालिन को दी नसीहत...हिंदी से नफरत नहीं की जानी चाहिए

नई दिल्ली। तमिलनाडु में जारी भाषा विवाद के बीच आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री और टीडीपी अध्यक्ष चंद्रबाबू नायडू ने एमके स्टालिन को बड़ी नसीहत देते हुए कहा है कि हिंदी भाषा से नफरत नहीं की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि दिल्ली में बातचीत के लिए हिंदी बहुत उपयोगी भाषा है। उनका यह बयान तब आया है, जब तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और डीएमके चीफ एम के स्टालिन भाषा विवाद पर केंद्र से दो-दो हाथ कर रहे हैं और जबरन हिन्दी थोपने का आरोप लगा रहे हैं। नायडू ने भाषा विवाद के बीच समझौतावादी रुख अपनाते हुए कहा कि हिंदी और अंग्रेजी दोनों का अपना महत्व है और इन्हें सीखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा, हिंदी राष्ट्रीय भाषा है। अंग्रेजी अंतरराष्ट्रीय भाषा है। उन्होंने कहा कि भारतीय अब विभिन्न देशों में जा रहे हैं। इसलिए आजीविका के लिए हम कोई भी भाषा सीख सकते हैं लेकिन हमें मातृभाषा (तेलुगु) को भी नहीं भूलना चाहिए। उन्होंने कहा, भाषा केवल संचार के लिए होती है। हमें याद रखना चाहिए कि अधिक से अधिक भाषाएं सीखना सबसे अच्छा होता है। नायडू के इस बयान को केंद्र सरकार के त्रि-भाषा फॉर्मूले का समर्थन माना जा रहा है। बता दें कि पिछले कुछ हफ्तों से तमिलनाडु की सत्ताधारी डीएमके केंद्र सरकार पर आरोप लगा रही है कि नई शिक्षा नीति के जरिए केंद्र सरकार त्रि-भाषा फॉमूर्ला लागू करने का दबाव दे रही है और जबरन राज्य पर हिन्दी थोपना चाहती है। ऐसा नहीं करने पर फंड जारी नहीं कर रही है। डीएमके के सांसद इसका विरोध संसद में भी कर चुके हैं। हाल ही में तमिलनाडु विधानसभा में बजट सत्र के दौरान पेश बजट से जुड़े कागजातों में डीएमके मंत्री ने हिन्दी का विरोध करने के लिए हिन्दी में बने रुपये के प्रतीक की जगह तमिल में गढ़ा प्रतीक का इस्तेमाल किया था।

टल गया वकील-पुलिस टकराव, नहीं हुआ प्रदर्शन, आठ थानों का बल था तैनात

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर में सोमवार को पुलिस और वकीलों के बीच होने वाला संभावित टकराव टल गया। वकील ब?ी संख्या में प्रदर्शन करने नहीं पहुंचे। इस बार पुलिस ने प्रदर्शन के मद्देनजर जिला कोर्ट, रीगल तिराहे पर तग?ा बंदोबस्त कर रखा था। दंगा नियंत्रक वाहनों के अलावा फायर ब्रिगेड भी तैनात थी।

दरअसल सोमवार को जिला कोर्ट में वकीलों ने बैठक आयोजित की थी। इसमें आगे की रणनीति बनाई गई थी। वकीलों ने पहले कहा था कि वे सोमवार को ब?ा प्रदर्शन करेंगे। बैठक की जानकारी मिलते ही अफसरों ने पुलिस बल तैनात कर दिया। वकीलों के बैठक में तय

हुआ कि सिर्फ एक प्रतिनिधिमंडल पुलिस अफसरों से मिलने जाएगा। कोई ब?ा प्रदर्शन नहीं होगा। इसके बाद पांच वकील पुलिस कमिश्नर से मिले। उनके लौटने के बाद पुलिस बल भी हटा दिया गया। बैठक में तय हुआ कि जो गलत हुआ है, उसके खिलाफ एक्शन लिया जाएगा। हाईकोर्ट के सामने प्रतिबंधित क्षेत्र में चक्काजाम, आम लोगों के साथ मारपीट करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

तग?ा एक्शन लेने की थी तैयारी

सोमवार को रीगल तिराहा, जिला कोर्ट परिसर में आठ थानों का पुलिस बल तैनात था। वाटर केनन वाहन भी तैनात कर दिया गया था। पुलिस अफसरों ने निर्देश दिए थे कि सोमवार को यदि प्रदर्शन होता है तो कानून हाथ में लेने वालों के खिलाफ तग?ा एक्शन लिया जाए। पुलिस को आशंका थी कि जिला कोर्ट में होने वाली बैठक के बाद वकील फिर ब?ा संख्या में प्रदर्शन के लिए आ सकते है, हालांकि इसकी नौबत नहीं आई। वकीलों की तरफ से ब?ा प्रदर्शन नहीं हुआ।

अब तक तीन प्रकरण दर्ज

दो दिन में अब तक वकीलों के खिलाफ तीन प्रकरण दर्ज हुए है, हालांकि अभी गिरफ्तारी नहीं हुई है। परदेशीपुरा में हुए विवाद के मामले को लेकर जिन तीन वकीलों के खिलाफ प्रकरण दर्ज हुआ है। उनके घर जाकर पुलिस नोटिस चस्पा कर आई है, लेकिन वे बयान देने के लिए थाने पर उपस्थित नहीं हो सके।

नशे में नहीं थे टीआई

तुकोगंज थाना क्षेत्र में वकीलों के चक्काजाम और टीआई जितेंद्र यादव के साथ हुई झूमाझटकी के मामले में अज्ञात वकीलों पर केस दर्ज कर लिया गया है। यह एफआईआर स्वयं टीआई यादव ने अपने ही थाने में दर्ज करवाई है। वहीं, दूसरी एफआईआर राहगीर तेजराम पटेल ने दर्ज कराई है। पटेल की शिकायत पर 150-200 अज्ञात वकीलों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। वहीं,टीआई पर शराब के नशे के आरोपों की पुष्टि नहीं हुई। मेडिकल जांच और ब्रीथ एनालाइजर टेस्ट में वे पूरी तरह से क्लीन चिट पा गए। टीआई जितेंद्र यादव ने अज्ञात वकीलों के खिलाफ बीएनएस की धारा 132, 191(2) और 3(5) के तहत मामला दर्ज कराया है। यह एफआईआर रात 8ः30 बजे दर्ज हुई, जिसमें आरोपियों की पहचान अज्ञात के रूप में की गई है। शिकायत के अनुसार, 15 मार्च दोपहर तीन बजे हाईकोर्ट चौराहे पर वकीलों द्वारा चक्का जाम किया जा रहा था। जब टीआई यादव मौके पर पहुंचे और वकीलों से रास्ता खोलने की अपील की, तभी कुछ वकीलों ने उन्हें शासकीय कार्य करने से रोका और धक्का-मुक्की की।

दिग्विजय सिंह ने लिया वकीलों का पक्ष

इस घटनाक्रम को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट की है। उन्होंने वकीलों का पक्ष लेते हुए कहा कि मैने एक वीडियो देखा। वकीलों ने टीआई के साथ हाथापाई नहीं की थी। टीआई से बोला गया था कि झूठ मत बोलो। यह चेक करना है कि शराब पी है या नहीं। टीआई नशे में वकीलों को समझाने आए थे और ऊंटपटांग शब्द बोलने लगे। तब पता चला कि वे नशे में है।

पुलिस को लेकर गेर मार्ग का निरीक्षण करने निकले कलेक्टर

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। रंगपंचमी से दो दिन पहले प्रशासनिक अधिकारी गेर मार्ग पर निरीक्षण के लिए पहुंचे। सबसे पहले वे टोरी कॉर्नर चौराहे पर पहुंचे, इसके बाद उन्होंने वहां से पैदल गेर मार्ग का निरीक्षण किया। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि रास्ते में आ रही सभी अ?चनों को आज और कल में ही दूर कर दिया जाए। बता दें कि इंदौर की रंगारंग गेर में हर साल पांच लाख से ज्यादा लोग शामिल होते हैं। कलेक्टर ने कहा कि पूरे रास्ते में बिजली के पुख्ता इंतजाम किए जाएं। गेर के अनुरूप बिजली के तारों को ऊंचा किया जाए और बिजली डीपी पर सुरक्षा के पर्याप्त उपाय किए जाएं। आग बुझाने के लिए फायर ब्रिगेड और आपातकालीन स्थिति के लिए जगह-जगह एक दर्जन से अधिक एम्बुलेंस तैनात की जाएंगी। वहीं, पुलिस ने हु?दंगियों से ऑन-द-स्पॉट निपटने की पूरी तैयारी कर ली है। कलेक्टर आशीष सिंह ने बताया कि हु?दंगियों पर नजर रखने के लिए पूरे मार्ग पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे और एक कंट्रोल रूम भी स्थापित किया जाएगा। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए रास्तों पर बैरिकेडिंग की जाएगी।

इस बार ओल्ड राजमोहल्ला से निकलने वाली रसिया कॉर्नर की गेर नहीं निकलेगी। समिति के पं. राजपाल जोशी ने बताया कि यह गेर अपने 52वें वर्ष में थी, लेकिन प्रमुख संरक्षक पं. क्रांति सागर जोशी के हाल ही में निधन के कारण इसे स्थगित करने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि अगले वर्ष यह गेर और अधिक भव्य रूप में प्रस्तुत की जाएगी।

सफाई व्यवस्था पर विशेष जोर

महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने स्पष्ट किया है कि सफाई कार्य को अत्यधिक प्राथमिकता दी जा रही है, क्योंकि स्वच्छता सर्वेक्षण भी निकट है। यदि सफाई व्यवस्था में किसी भी तरह की लापरवाही हुई तो यह शहर की स्वच्छता रैंकिंग पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकती है।

महापौर ने कहा की रंग पंचमी की यह गेर हमारी परंपरा का हिस्सा है और इसे देखने देश-विदेश से लोग आते हैं।

हम यह सुनिश्चि कर रहे हैं कि आयोजन सुचारु रूप से संपन्न हो और सफाई अभियान भी पूरी तत्परता के साथ किया जाए।

नगर निगम की रणनीति

महापौर ने अधिकारियों और कर्मचारियों को जिम्मेदारियां सौंपते हुए निर्देश दिया है कि हर कार्य को तय योजना के अनुसार किया जाए। सफाई कार्य के लिए अतिरिक्त कर्मियों की तैनाती के साथ ही हाई-टेक मशीनों का उपयोग किया जाएगा।

युवक को छुड़ाने आई महिला ने थाने में किया हंगामा, पुलिस से की अभद्रता

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। विजयनगर थाने पर रविवार रात एक महिला ने जमकर हंगामा मचाया। महिला ने करीब आधे घंटे तक चिल्लाते हुए अपशब्द कहे और थाने में मौजूद स्टाफ से भी अभद्र व्यवहार किया। वह पुलिस कर्मियों और अन्य उपस्थित लोगों से लगातार उलझती रही, जिससे माहौल तनावपूर्ण हो गया। महिला का यह हंगामा काफी देर तक चलता रहा, लेकिन अंतत- परिचितों के समझाने पर वह वहां से चली गई। महिला देर रात अपने परिचित युवक और अन्य महिला के साथ थाने आई थी। पुलिस ने एक युवक को पकड़ा था, जो आपसी विवाद के चलते थाने में लाया गया था। महिला इस युवक को छुड़ाने आई थी और काफी गुस्से में थी। वह पुलिस पर युवक को छोड़ने का दबाव बना रही थी। महिला लगातार पुलिस अधिकारियों और टीआई को धमकी देती रही और उन्हें बात करने के लिए उकसाती रही।

महिला के हंगामे के दौरान वह पुलिसकर्मियों को भी अपशब्द कहने लगी। उसकी इस हरकत को कुछ लोगों ने वीडियो में कैद कर लिया, जिसे बाद में सोशल मीडिया पर अपलोड किया गया। महिला की गुस्से में की गई अभद्र भाषा और हंगामे को लेकर पुलिसकर्मियों ने वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित किया और पूरे मामले की जानकारी दी। इसके बाद महिला को समझाने की कोशिश की गई, लेकिन वह अपनी हरकतों से बाज नहीं आई। विजयनगर थाने के टीआई चंद्रकांत पटेल के अनुसार, विवाद के चलते पुलिस ने लक्की चोपड़ा, अभिषेक, शैलेष यादव और एक अन्य को हंगामा और मारपीट के आरोप में पकड़ा था। इनमें से एक युवक महिला का परिचित था, और वह उसे छुड़ाने के लिए थाने आई थी। महिला का हंगामा देखकर पुलिस ने वीडियो भी बनाया, ताकि पूरे घटनाक्रम का रिकॉर्ड रखा जा सके। फिलहाल, सभी युवक पुलिस हिरासत में हैं और मामले की जांच जारी है।

टेंट गोदाम में लगी आग, तीन घंटे भभकती रही लपटें, सामान हुआ खाक

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर के लसूड़िया क्षेत्र में सोमवार को एक टेंट हाउस के गोदाम में आग लग गई। आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट बताई जा रही है। टेंट हाउस में लाखों रुपए का सामान रखा हुआ था जो जलकर खाक हो गया। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की दमकल मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाने की कोशिश की, लेकिन चार टैंकर पानी खत्म होने के बावजूद आग पर काबू नहीं पाया जा सका। खुला परिसर होने के कारण आग और तेजी से फैल रही थी। तीन घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। लसूड़िया क्षेत्र में सज्जन टेंट हाउस का बड़ा गोदाम है। सोमवार दोपहर एक बजे के करीब गोदाम के पिछले हिस्से में कर्मचारियों ने आग की लपेट उठती देखीं। पहले उन्होंने अपने स्तर पर पानी डालकर आग बुझाने का प्रयास किया इस बीच फायर ब्रिगेड को भी सूचना दे दी गई। दमकलों के पहुंचने तक आग विकराल रूप ले चुकी थी। आग से निकल रहा धुआं दो किलोमीटर दूर से नजर आ रहा था। टेंट हाउस के गोदाम के आसपास अन्य टेंट हाउस के गोदाम भी है। आग की चपेट से उनको बचाने के लिए गोदाम मालिकों ने माल निकालना शुरू कर दिया था, हालांकि टेंट हाउस में लगी आग ने आसपास के दूसरे को गोदामों को चपेट में नहीं लिया। इसके बाद दूसरे को गोदाम मालिकों ने राहत की सांस ली। टेंट हाउस के जिस गोदाम में आग लगी थी, वहां पर दो पेड़ भी थे। आग के कारण दोनों पेड़ भी जल गए। क्षेत्र के रहवासियों का कहना है कि यहां पर दो-तीन तेल कंपनियों के गोदाम हैं। क्षेत्र में अग्नि सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम होना चाहिए अन्यथा किसी दिन बड़ा हादसा हो सकता है।

गर्मी से बचने के लिए 25 से ज्यादा चौराहों पर निगम लगा रहा ग्रीन नेट

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर में मार्च माह में ही गर्मी के तेवर तीखे हो चले हैं। शहर के चौराहों पर वाहनों के कारण तापमान और बढ़ा रहता है। वहां गर्मी से वाहन चालकों को बचाने के लिए नगर निगम ने ग्रीन नेट बांधने का काम शुरू कर दिया है। कुछ वार्डों में पार्षद भी अपने स्तर पर यह काम कर रहे हैं। इंदौर में गर्मी से बचने के लिए तरह-तरह के जतन होने लगे हैं। आमतौर पर शहरवासी टेरेस गार्डनों पर पौधों को तेज धूप से बचाने के लिए ग्रीन छायादार नेट का इस्तेमाल करते हैं। अब उसका उपयोग शहर के प्रमुख चौराहों पर नगर निगम कर रहा है। एक से डेढ़ मिनट तक सिग्नल पर खड़े रहने के दौरान वाहन चालकों को गर्मी से राहत मिले, इसलिए नगर निगम ने अभी से नेट बांधने का काम शुरू कर दिया है। दरअसल चौराहों पर दो पहिया वाहनों के अलावा कारें भी खड़ी रहती है। एसी चलने के कारण कारों के भीतर तो ठंडी हवा रहती है, लेकिन कार के आसपास का तापमान ज्यादा रहता है। इस कारण आस पास खड़े वाहन चालकों को भी तेज गर्मी का अहसास होता है। रविवार को इंदौर के लेटर्न चौराहे पर ग्रीन नेट लगाई गई। इसके बाद एमआईजी, हाईकोर्ट तिराहा, पलासिया चौराहा पर भी नेट नजर आएगी। बताया जा रहा है कि 25 से ज्यादा चौराहों पर नेट बांधी जाना है। यह प्रयोग नगर निगम ने पिछले साल भी कुछ चौराहों पर किया था। हवा में नेट न गिरे, इसलिए कुछ चौराहों पर लोहे के स्थाई एंगल भी लगाए गए हैं।

पति बना रहा था धर्म परिवर्तन का दबाव, पत्नी ने कराई एफआईआर

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर के विजय नगर क्षेत्र में एक युवक पर धर्म परिवर्तन के लिए दबाव करने का आरोप है। उसके बारे में उनकी पत्नी ने ही शिकायत की है। पत्नी से उसने अपने धर्म की पहचान छुपाकर शादी की। धर्म परिवार के लिए युवक पत्नी से मारपीट भी करता था। अपनी शिकायत में महिला ने पुलिस को बताया कि तीन पहले उनने मंदिर में एक युवक से शादी की थी। युवक ने उसके सामने प्रेम प्रस्ताव रखा था। शादी के बाद एक केस में वह जेल गया। तब पता चला कि पति इमरान मुस्लिम धर्म का है। उसने महिला को अपना नाम धनूराज नेगी बताया था। जेल से छूटने के बाद जब महिला ने धर्म छुपाकर शादी करने की बात के बारे में पूछा तो इमरान ने कहा कि शादी के बाद पत्नी को भी धर्म बदलना पड़ता है। इसके बाद वह दबाव बनाने लगा। मारपीट से परेशान होकर महिला ने हिन्दू संगठन के पदाधिकारियों से संपर्क किया और उनके साथ विजय नगर थाने में जाकर रिपोर्ट दर्ज कराई। महिला और इमरान की पहचान छह साल पहले हुई थी। दोनो के बीच प्रेम हुआ और वर्ष 2020 में इमरान ने अ?ींकारेश्वर के दुर्गा मंदिर में जाकर शादी कर ली। इसके बाद दोनों देवास चले गए। कुछ समय बाद वह इंदौर आकर रहने लगे। जब इमरान किसी केस के मामले में जेल पहुंचा तो जमानत के दस्तावेजों को देखने पर महिला को उसका असली नाम पता चला। इसके बाद से ही दोनों के बीच विवाद हो रहा था।

ड्रग्स की डिलीवरी से पहले दो आरोपी गिरफ्तार

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर क्राइम ब्रांच ने चंदन नगर निवासी एक आरोपी को एमडी ड्रग के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी पुलिस को देखकर भागने की कोशिश कर रहा था, लेकिन घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया गया। तलाशी में उसके पास से नशीला पदार्थ बरामद हुआ। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। क्राइम ब्रांच को सूचना मिली थी कि मोहम्मद दानिश पुत्र अब्दुल नईम, निवासी ग्रीन पार्क कॉलोनी, एमडी ड्रग बेचने का काम करता है। रविवार रात पुलिस को खबर मिली कि वह एमआर 4 इलाके में किसी को ड्रग डिलीवरी देने जा रहा है। इस पर टीम ने घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया। जांच में उसके पास 13 ग्राम से अधिक एमडी ड्रग बरामद हुई। दानिश 9वीं तक पढ़ा है और उस पर पहले से नशे के दो अपराध दर्ज हैं। एक अन्य कार्रवाई में क्राइम ब्रांच ने आदिल उर्फ गोलू खान, निवासी आजाद नगर, को 14 ग्राम एमडी ड्रग के साथ गिरफ्तार किया। आरोपी छठवीं तक पढ़ा है और अलमारी बनाने का काम करता है। पुलिस रिकॉर्ड के मुताबिक, उसके खिलाफ पहले से चार आपराधिक मामले दर्ज हैं। क्राइम ब्रांच दोनों आरोपियों से पूछताछ कर रही है और उनसे अन्य ड्रग पैडलर्स के नाम सामने आने की संभावना है।

19 और 20 मार्च को बूंदाबांदी की संभावना, तेज हवा चलेगी

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। मौसम विभाग ने मध्यप्रदेश के आधे हिस्से में 19 और 20 मार्च को आंधी और बारिश की संभावना जताई गई है। विशेष रूप से भोपाल, जबलपुर, नर्मदापुरम, रीवा, चंबल, सागर और शहडोल संभाग में इसका अधिक असर देखने को मिलेगा। इन इलाकों में 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। वहीं, इंदौर, उज्जैन और ग्वालियर संभाग में हल्की बूंदाबांदी होने के आसार हैं। मौसम विभाग ने इन दो दिनों के लिए यलो और ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इससे पहले, रविवार को दिन के तापमान में 1 से 4 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट दर्ज की गई थी। भोपाल, विदिशा, सागर, दमोह, छतरपुर, पन्ना, सतना, रीवा, मऊगंज, सीधी और सिंगरौली में बादल छाए रहे, वहीं कुछ स्थानों पर हल्की बारिश और गरज-चमक भी देखी गई।

दो साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम सक्रिय

मौसम वैज्ञानिक वीएस यादव के अनुसार, राजस्थान और उत्तर-पश्चिमी मध्यप्रदेश के ऊपर दो साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम सक्रिय हैं, जिसके चलते मौसम में बदलाव देखा जा रहा है। 18 मार्च से एक नया सिस्टम सक्रिय होने की संभावना है, जिससे अगले दो दिनों तक बारिश हो सकती है। हाल ही में, 13 मार्च को मुरैना और भिंड में

हल्की बारिश हुई थी, जबकि 14 मार्च को भिंड में बूंदाबांदी दर्ज की गई थी। इसके बाद, 15 मार्च को झाबुआ, रतलाम, भिंड, मुरैना, पन्ना, छतरपुर और टीकमगढ़ में कहीं-कहीं बौछारें गिरीं और बादल छाए रहे। राजधानी भोपाल में भी दिन के समय बादल देखने को मिले, जबकि अन्य इलाकों में आसमान साफ और गर्मी का असर देखा गया। 16 मार्च को भी कुछ जिलों में गरज-चमक, बूंदाबांदी और आंधी वाला मौसम बना रहा।

मार्च के अंत तक बढ़ेगी गर्मी, हीट वेव की चेतावनी

मौसम विभाग के अनुसार, मार्च के अंतिम दिनों में प्रदेश में गर्मी का असर फिर से तेज होने की संभावना है। कुछ क्षेत्रों में लू चलने की भी आशंका है, जिससे कई शहरों का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार जा सकता है। सामान्यत- यदि दिन का तापमान 40 डिग्री से अधिक हो या सामान्य से 4.6 डिग्री अधिक हो तो इसे हीट वेव की स्थिति माना जाता है। मौसम विभाग ने मार्च से मई तक 15 से 20 दिनों तक हीट वेव चलने का अनुमान जताया है। अप्रैल और मई में इसका प्रभाव अधिक हो सकता है, जिससे 30 से 35 दिन तक गर्म हवाएं चलने की संभावना है। इस वर्ष अप्रैल और मई के दौरान सबसे अधिक गर्मी पड़ने का अनुमान है, खासतौर पर ग्वालियर, चंबल, जबलपुर, रीवा, शहडोल और सागर संभाग के जिलों में तापमान 45 डिग्री के पार जा सकता है। भोपाल, इंदौर, उज्जैन और नर्मदापुरम संभाग भी गर्मी की चपेट में रहेंगे।

क्रिकेटर मोहम्मद शमी की बेटी ने खेली होली तो मप्र में गरमाई सियासत

मंत्री विश्वास सारंग ने शमी को लिखा पत्र- किसी से डरने की जरूरत नहीं

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद शमी की बेटी के होली खेलने को लेकर मौलाना शहाबुद्दीन रजवी के बयान को लेकर मध्यप्रदेश में सियासत गरमा गई है। मप्र सरकार के मंत्री विश्वास सारंग ने मामले में कड़ा एतराज जताया है। सारंग ने कहा कि मौलाना का बयान आपत्तिजनक है। सारंग ने क्रिकेटर शमी को लेटर लिखकर कहा है कि उन्हें किसी से डरने की जरूरत नहीं है। यूपी बरेली के मौलाना रजवी ने दो दिन पहले शमी की बेटी के होली खेलने पर एतराज जताया था। मोहम्मद शमी की बेटी का होली खेलते हुए वीडियो सामने आने पर रजवी ने कहा था कि मोहम्मद शमी की बेटी का रंग खेलना शरीयत के खिलाफ और नाजायज है। इसी पर खेल मंत्री सारंग ने सोमवार को पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि देश में अब कट्टरपंथ और धमकी की

राजनीति नहीं चलेगी। वहीं मंत्री विश्वास सारंग का बयान आने के बाद कांग्रेस ने उन्हें जवाब दिया है। मध्यप्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता स्वदेश शर्मा ने कहा है कि माननीय मंत्री विश्वास सारंग जी आप कितने भी जतन कर लीजिए हमारे देश की एकता अखंडता को आप कोई चोट नहीं पहुंचा सकते हैं, देशवासियों ने गंगा जमुनी तहजीब का जो उदाहरण इस होली पर प्रस्तुत किया वह हमेशा याद किया जाएगा।

शहाबुद्दीन रिजवी का बयान निंदनीय

मंत्री विश्वास सारंग ने कहा कि मौलाना शहाबुद्दीन रिजवी का बयान निंदनीय है। अगर मोहम्मद शमी की बेटी होली खेलती है तो इससे कट्टरपंथियों को क्या परेशानी है? यह देश हर धर्म और समुदाय के लोगों का है और यहां किसी की धार्मिक स्वतंत्रता पर रोक नहीं लगाई जा सकती। सारंग ने कहा कि मोहम्मद शमी और उनकी बेटी को डरने की जरूरत नहीं है। सरकार उन्हें पूरा संरक्षण देगी। मैंने मोहम्मद शमी को पत्र लिखकर कहा है कि किसी भी कट्टरपंथी धमकी से डरने की जरूरत नहीं है। यह देश सबका है, और सभी को अपनी संस्कृति के साथ जीने का अधिकार है।

सारंग ने पूछा अब कहां हैं प्रियंका गांधी

सारंग ने विपक्ष पर भी हमला करते हुए कहा कि जब एक छोटी बच्ची को धमकी दी जा रही है, तो प्रियंका गांधी, जो खुद 'लड़की हूं, लड़ सकती हूं' का नारा देती थीं, अब कहां हैं? कांग्रेस और विपक्ष के नेता तुष्टिकरण की राजनीति कब तक करते रहेंगे? सारंग ने कहा कि मौलाना शहाबुद्दीन रिजवी पहले भी मोहम्मद शमी को रोजे के दौरान क्रिकेट खेलते हुए पानी पीने पर धमका चुके हैं। आखिर यह कट्टरपंथ कहां तक जाएगा? कुरान और वेदों में भी मातृभूमि की महिमा का उल्लेख है। कोई भी व्यक्ति किसी की स्वतंत्रता पर रोक नहीं लगा सकता।

धार्मिक सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश बर्दाश्त नहीं

सारंग ने कहा कि भारत की संस्कृति सभी धर्मों और त्योहारों का सम्मान करती है। ऐसे में किसी को भी समाज को बांटने की इजाजत नहीं दी जाएगी। उन्होंने चेतावनी दी कि सरकार इस तरह की धमकियों को कतई बर्दाश्त नहीं करेगी और ऐसे कट्टरपंथियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने बरेली में एक पत्रकारवार्ता की थी। उन्होंने कहा था कि मोहम्मद शमी की बेटी अगर शरीयत को नहीं जानती है और वह छोटी बच्ची है, नासमझी में होली खेल गई तो यह गुनाह नहीं है। लेकिन, अगर वह समझदार है और उसके बावजूद होली खेलती है तो यह शरीयत के खिलाफ माना जाएगा। मौलाना ने पहले भी मोहम्मद शमी को नसीहत दी थी, लेकिन उसके बावजूद मोहम्मद शमी की बेटी का होली खेलते हुए वीडियो सामने आया है। मोहम्मद शमी समेत सभी परिजनों से यह अपील है कि शरीयत में जो नहीं है उसको अपने बच्चों को न करने दे। उन्होंने कहा कि होली हिंदुओं का बहुत बड़ा पर्व है। लेकिन मुसलमान को रंग खेलने से बचना चाहिए। क्योंकि अगर कोई शरीयत को जानते हुए भी होली खेलता है तो वह गुनाह की श्रेणी में आता है। बरेली के मौलाना शहाबुद्दीन रजवी भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद शमी पर निशाना साधकर लाइम लाइट में बने रहना चाहते हैं। इस बार मोहम्मद शमी की बेटी के होली खेलने पर उन्होंने ऐतराज जताया है। मोहम्मद शमी की बेटी का होली खेलते हुए वीडियो सामने आने पर कहा कि मोहम्मद शमी की बेटी का रंग खेलना शरीयत के खिलाफ है और नाजायज है।

झूठे शपथ पत्र से पाई थी सौरभ शर्मा ने नौकरी, कार्रवाई नहीं

पीएचक्यू को रिपोर्ट मिलने के बाद भी प्रकरण दर्ज नहीं

भोपाल। लोकायुक्त के छापों की जद में आए परिवहन विभाग के पूर्व आरक्षक सौरभ शर्मा ने परिवहन विभाग में झूठा शपथ प्रस्तुत कर नौकरी पाई थी। मामले में अब तक कोई कार्रवाई नहीं हो सकी है। इसे लगातार सवा खड़े हो रहे हैं। बता दे कि मामले का खुलासा पहले ही हो चुका है। परिवहन विभाग ने सौरभ शर्मा की नौकरी के लिए उनकी मां द्वारा दिए गए शपथ-पत्र को जांच में असत्य पाया है। परिवहन विभाग ने जांच प्रतिवेदन के साथ सौरभ शर्मा और उनकी मां उमा शर्मा के खिलाफ शासकीय नौकरी के लिए असत्य शपथ-पत्र प्रस्तुत करने पर कूटरचित दस्तावेज के सहारे कदाचरण का प्रकरण दर्ज करने का मामला बताया है। यह प्रतिवेदन गृह विभाग को आगे की कार्रवाई के लिए भेजा गया है। गृह विभाग ने भी संबंधित मामले पर कार्रवाई के लिए फाइल पुलिस मुख्यालय को भिजवा दी है। हालांकि अभी तक इस मामले में न तो भोपाल पुलिस में कोई प्रकरण दर्ज किया गया है और न ही लोकायुक्त में प्रकरण दर्ज हुआ है। क्योंकि लोकायुक्त मामले की जांच कर रही है, वह भी फर्जीवाड़ा करने का प्रकरण दर्ज कर सकती है। अब सवाल उठता है कि परिवहन विभाग की रिपोर्ट के आधार पर गृह विभाग ने जब प्रकरण दर्ज करने के लिए जांच प्रतिवेदन पुलिस मुख्यालय भिजवा दिया तो सौरभ और उनकी मां उमा

शर्मा के खिलाफ सरकारी नौकरी के लिए झूठा शपथ-पत्र प्रस्तुत करने के मामले में एफआईआर क्यों नहीं हो पा रही है।

इस तरह झूठा साबित हुआ शपथ-पत्र

सौरभ शर्मा के पिता स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत थे। सौरभ शर्मा दो भाई हैं। बड़े भाई छत्तीसगढ़ सरकार में नौकरी करते हैं। सौरभ ने पिता की मौत के बाद अनुकंपा नियुक्ति पाने के लिए मां उमा शर्मा द्वारा जो शपथ-पत्र सरकार को दिलाया गया, उसमें उमा शर्मा द्वारा शपथ पूर्वक कथन किया गया है मेरे पति के अश्रित परिवार में कोई भी शासकीय सेवा में नहीं है। इसके बादे सौरभ शर्मा को अनुकंपा नियुक्ति मिल सकी। जबकि सौरभ के बड़े भाई छत्तीसगढ़ में सरकारी नौकरी पर हैं, ऐसे में सौरभ मध्यप्रदेश में अनुकंपा नियुक्ति की पात्रता नहीं रखता है। परिवहन विभगा ने भी अपने जांच में माना है कि उमा शर्मा ने बहुत सारे तथ्यों को शपथ-पत्र में छिपाया है, इसलिए उनकी भूमिका संदेहास्पद है और प्रकरण दर्ज किया जाए।

ईडी और आयकर विभाग कर चुके पूछताछ

परिवहन विभाग के पूर्व आरक्षक सौरभ शर्मा और उनके राजदार व बिजनेस पार्टनर चेतन सिंह गौर और शरद जायसवाल के ठिकानों पर लोकायुक्त पुलिस ने 18 दिसंबर को छापा मारा था। छापे की कार्रवाई 19 दिसंबर को भी की गई थी। 19-20 दिसंबर की दरमियानी देर रात मेंडोरा के जंगल में एक फार्म हाउस में लावारिस हालत में खड़ी इनोवा के अंदर 54 किलोग्राम सोना और 10 करोड़ से अधिक की नकदी आयकर विभाग ने बरामद की थी। जिस इनोवा से यह सोना और नकदी बरामद हुई है, वह चेतन सिंह गौर के नाम रजिस्टर्ड है और उसका उपयोग सौरभ शर्मा द्वारा किया जा रहा था। इसके बाद 27 दिसंबर को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सौरभ शर्मा और उसके बिजनेस पार्टनर के ठिकानों पर छापा मारा था। ईडी की छापेमारी में सौरभ के ठिकानों से 6 करोड़ की एफडी, 23 करोड़ की संपत्ति सहित कुल 33 करोड़ की संपत्ति मिली थी। ईडी को जमीन से जुड़े दस्तावेज, रजिस्ट्रियां और कुछ कंपनियों के दस्तावेज सहित बैंक खातों की जानकारी भी हाथ लगी थी। 41 दिन की फरारी के बाद सौरभ शर्मा की कोर्ट में सरेंडर करते समय गिरफ्तारी हुई थी। इसके बाद चेतन और शरद को भी लोकायुक्त ने गिरफ्तार कर रिमांड पर लिया था। ईडी के बाद आयकर विभाग भी तीनों आरोपियों से पूछताछ कर चुकी है।

कैश-सोना सरकारी खजाने में जमा होगा

सौरभ शर्मा के सहयोगी चेतन सिंह गौर की इनोवा कार में मिले 11 करोड़ रुपए कैश और 54 किलो के करीब सोने को अब आयकर विभाग सरकारी खजाने में जमा कराएगा। इसकी वजह यह है कि सौरभ, उसके सहयोगी चेतन और शरद जायसवाल ने अब तक हुई पूछताछ में कार में मिले सोने और नकदी पर अपना दावा नहीं किया है। ऐसे में आयकर विभाग स्टेट बैंक में जमा कराए गए सोने और नकदी की अप्रेजल रिपोर्ट जारी करने के बाद इसे बेनामी संपत्ति घोषित करने की तैयारी में है। इस मामले में आयकर विभाग की बेनामी विंग की जांच भी चल रही है।

भोपाल मेट्रो का कमर्शियल रन टला जून के बजाए अब अगस्त में

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। भोपाल मेट्रो में सफर करने की तैयारी कर रहे लोगों को अभी थोड़ा और इंतजार करना पड़ेगा। जून में शुरू होने वाला कमर्शियल रन अब अगस्त 2025 में शुरू होगा। इससे पहले मध्य प्रदेश मेट्रो रेल कॉपोरेशन एम्स, अलकापुरी और डीआरएम मेट्रो स्टेशन का काम पूरा करेगा। सुभाष नगर से रानी कमलापति रेलवे स्टेशन के बीच करीब करीब काम पूरा हो गया है। अब इन स्टेशनों पर फिनिशिंग का काम चल रहा है। भोपाल मेट्रो का कमर्शियल रन सुभाष नगर से एम्स भोपाल मेट्रो स्टेशन के बीच शुरू होगा। कॉरपोरेशन के अधिकारियों ने अब इसकी नई तारीख अगस्त 2025 दी है। इससे पहले रेलवे ब्रिज पर मेट्रो का लोड भी चेक किया जाएगा। इसके बाद सब कुछ ठीक रहने पर मेट्रो रेल सेफ्टी कमिश्नर मई या जून में ट्रेक का निरीक्षण कर सकते है, जिनकी रिपोर्ट ठीक आने पर कमर्शियल रन शुरू हो जाएगा। मेट्रो के ट्रायल रन के दौरान इसे रानी कमलापति स्टेशन से एम्स तक 10-20 किमी प्रति घंटा की गति से चलाया गया। कमर्शियल रन में मेट्रो की स्पीड 70-90 किमी प्रति घंटा होगी, जिससे 6.22 किमी की दूरी मात्र 11 मिनट में पूरी की जा सकेगी।

पिछले दिनों विधानसभा की प्राक्कलन समिति ने भोपाल मेट्रो प्रोजेक्ट का निरीक्षण किया था। समिति ने मेट्रो के काम में देरी को लेकर नाराजगी जताई थी। उस समय मेट्रो रेल कॉरपोरेशन के अधिकारियों ने 15 अगस्त तक कमर्शियल रन शुरू करने की समयसीमा दी थी। भोपाल मेट्रो स्टेशन पर तीन-तीन कोच की मेट्रो को शुरूआत में चलाया जाएगा। स्टेशन छह कोच के हिसाब से तैयार किए गए हैं। अभी भोपाल में 6 मेट्रो कोच के सेट आ गए हैं। इस तरह के कुल 27 मेट्रो कोच के सेट भोपाल आएंगे। अभी 21 मेट्रो कोच के सेट आना बाकी हैं।

परिवहन का बजट 200 करोड और घोटाला 5 हजार करोड़ का

भोपाल। मध्यप्रदेश केनेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा है कि परिवहन का बजट 150-200 करोड रुपए का है और घोटाला हजारों करोड़ का होता है। सरकार बताए कि इस मामले में बड़े मगरमच्छों पर कार्रवाई कब होगी। कांग्रेस विधायकों ने लोकायुक्त से भेंट कर जांच की मांग की है। सिंघार के नेतृत्व में सोमवार को कांग्रेस विधायकों के प्रतिनिधिमंडल ने लोकायुक्त से भेंट की और मंत्री गोविंद राजपूत सहित परिवहन घोटाले की जांच की मांग की। इस मामले में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने मध्यप्रदेश लोकायुक्त को मंत्री गोविंद राजपूत की हजारों करोड़ की बेनामी संपत्ति के दस्तावेज भी सौंपे नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस विधायकों ने लोकायुक्त को एक ज्ञापन भी सौंपा जिसमें कहा गया है कि गोविन्द सिंह राजपूत मंत्री मध्य प्रदेश शासन के द्वारा लोकसेवक के पद पर रहते हुये भ्रष्टाचार कर अपने स्वयं एवं पत्नि तथा पुत्रों, रिश्तेदारो एवं अन्य लोगों के नाम से सैकडों एकड़ जमीन अवैध लेनदेन कर खरीदने एवं बेनामी अवैध संव्यवहार की जांच किए जाने एवं सम्पत्ति अटैच करने की मांग की गई।

इस दौरान उमंग सिंघार ने कहा कि परिवहन का बजट 150- 200 करोड रुपए का है और घोटाला 5 हजार करोड़ का होता है। उन्होंने कहा कि सोने की ईंट मिल रही है, यह किसकी है जांच एजेंसी बता नहीं पा रही हैं। उमंग सिंघार ने ये भी कहा कि इसमें करोड़ों की प्रॉपर्टी खरीदी गई, जिसके प्रमाण हमने लोकायुक्त को दिए हैं और लोकायुक्त ने जांच करने का आश्वासन दिया है। नेता प्रतिपक्ष ने आगे कहा कि परिवहन घोटाले में बड़े स्तर पर भ्रष्टाचार की खबरें सामने आयी हैं। यह एक गंभीर मुद्दा है जो प्रदेश की जनता की कमाई का दुरुपयोग और प्रशासनिक पारदर्शिता की कमी को दशार्ता है। उन्होंने कहा कि तीन महीने हो चुके हैं मगर अब भी जांच ऐजेंसियों के हाथ खाली हैं और सरकार इसपर लीपापोती कर रही है। उन्होंने कहा कि मंत्री गोविन्द सिंह राजपूत उनकी पत्नी, बच्चों और संजय श्रीवास्तव, संजय डांडे जैसे लोगों ने करोड़ों रुपए की बेनामी संपत्ति बनाई है इसकी जांच होनी चाहिए। उन्होंने भाजपा सरकार से भी सवाल किया कि इस घोटाले में शामिल बड़े मगरमच्छों के खिलाफ कार्यवाही कब होगी।

कमलनाथ बोले- मप्र कानून अव्यवस्था की राजधानी

भोपाल। मध्यप्रदेश विधानसभा बजट सत्र में पहली बार पहुंचे पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने मध्य प्रदेश में बिगड़ते कानून व्यवस्था पर चिंता जताई है। उन्होंने मामले को लेकर पहले सोशल मीडिया पर पोस्ट किया है। इसके बाद विधानसभा सत्र के दौरान सदन के बाहर पत्रकारों से चर्चा भी की। कमलनाथ ने कहा कि मध्यप्रदेश कानून अव्यवस्था की राजधानी बनता जा रहा है। मध्य प्रदेश भ्रष्टाचार की राजधानी बनता जा रहा है। पूरा देश आज मध्य प्रदेश की तरफ देख रहा है और ये हालात हैं। इधर मऊगंज मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए स्थानीय विधायक प्रदीप पटेल ने कहा कि सभी वरिष्ठ अधिकारी और प्रभारी मंत्री वहां का दौरा कर चुके हैं। अब जांच में जो बातें सामने आएंगी, उनके आधार पर कार्रवाई की जाएगी। पटेल ने कहा कि घटना वाले दिन हम बाहर थे। बहुत दुखद घटना है। ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति नहीं होनी चाहिए।

मप्र के विशेष पुलिस महानिदेशक मनीष शंकर शर्मा का दिल्ली में निधन

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। मध्य प्रदेश पुलिस के विशेष पुलिस महानिदेशक (रेल) और 1992 बैच के आईपीएस अधिकारी मनीष शंकर शर्मा का दिल्ली में इलाज के दौरान निधन हो गया। उनकी पार्थिव देह को सुबह भोपाल लाया गया और चार इमली स्थित बंगले पर अंतिम दर्शन के बाद भदभदा स्थित विश्राम घाट पर उनका अंतिम संस्कार किया गया। उनके निधन से पुलिस विभाग और उनके मित्रों में शोक की लहर है। मनीष शंकर शर्मा ने इसी माह स्वास्थ्य की जांच कराने दिल्ली गए थे, जहां अस्पताल में कुछ दिन भर्ती रहने के बाद मध्य प्रदेश भवन आ गए थे। जहां उनकी तबीयत फिर से खराब

होने के बाद उनको अस्पताल ले जाया गया। जिसके बाद इलाज के दौरान उनका निधन हो गया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शर्मा के निधन पर शोक जताया। मनीष शंकर शर्मा के पिता कृपा शंकर शर्मा मध्य प्रदेश सरकार के मुख्य सचिव रहे थे, और उनके चाचा डॉ. सीताशरण शर्मा पूर्व विधानसभा अध्यक्ष थे। उनके परिवार और पुलिस विभाग में उनके योगदान को याद करते हुए, उनके समर्पण, कड़ी मेहनत और ईमानदारी की सराहना की जा रही है। उनका निधन मध्य प्रदेश पुलिस और उनके सभी सहयोगियों के लिए एक गहरी क्षति है।

नर्मदापुरम के रहने वाले थे शर्मा

मनीष शंकर शर्मा का जन्म मध्य प्रदेश के नर्मदापुरम जिले में हुआ था और उन्होंने पुलिस सेवा में कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया। उन्होंने रायसेन, सतना, छिंदवाड़ा और खंडवा जिलों में एसपी के रूप में अपनी सेवाएं दी थीं। इसके अलावा, उन्होंने 1997-98 में संयुक्त राष्ट्र मिशन के तहत बोस्निया और हजेर्गोविना में कार्य किया, जहां उन्होंने स्थानीय पुलिस अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया। अमेरिका के कैलिफोर्निया के सैन डिएगो शहर में 20 जुलाई को मनीष शर्मा दिवस के रूप में मनाया जाता है। मनीष शर्मा का कार्यक्षेत्र बहुत विस्तृत था, और उन्होंने एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया में सुरक्षा निदेशक के रूप में भी अपनी भूमिका निभाई।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मिली पहचान

शर्मा को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी कई सम्मान प्राप्त हुए थे। कैलिफोर्निया के सैन डिएगो शहर में उन्हें एक विशेष पुरस्कार से सम्मानित किया गया था, और यूएस हाउस ऑफ रिप्रिजेंटेटिव्स ने उन्हें सर्टिफिकेट ऑफ स्पेशल कांग्रेसनल रिकग्निशन भी प्रदान किया था। उनके योगदान को केवल भारत में ही नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी सराहा गया।

चार महाद्वीपों में काम किया

शर्मा की शिक्षा इंदौर के डेली कॉलेज से शुरू हुई और बाद में उन्होंने बिड़ला इंस्टीट्यूट ऑफ पिलानी से एमबीए की डिग्री प्राप्त की। इसके अलावा, उन्होंने कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी से इंटरनेशनल सिक्योरिटी, काउंटर टेररिज्म और पब्लिक पॉलिसी में मास्टर डिग्री भी प्राप्त की। उन्होंने अपने करियर के दौरान चार महाद्वीपों में काम किया और वैश्विक आतंकवाद पर लिखी गई पुस्तक ग्लोबल टेररिज्म-चैलेंजेस एंड पॉलिसी ऑप्शंस में भी उनका महत्वपूर्ण योगदान था।

सम्पादकीय

वर्दी की 'इज्जत' पग-पग पर नीलाम क्यों?

अब देश में जनता को खाकी वर्दी से अब डर नहीं लगता जबकि पुलिस की वर्दी का दूसरा नाम ही खौफ है। इसके लिए खुद पुलिस ही जिम्मेदार है। कई ऐसे मामले सामने आते हैं, जिन्हें देखकर अब लोग पुलिस की इज्जत नहीं करते। पुलिस को अगर समाज का विश्वास जीतना है और साथ ही इज्जत हासिल करना है तो उसे खुद वर्दी की लाज रखनी होगी। वर्दी की 'बोली' लगाएंगे तो अविश्वास का माहौल ऐसे ही ब?ता जाएगा। देश के अलग-अलग हिस्सों से जो घटनाएं आ रही है, वो उसी का नतीजा है।

अब देश में जनता को खाकी वर्दी से अब डर नहीं लगता जबकि पुलिस की वर्दी का दूसरा नाम ही खौफ है। सबसे पहले मध्यप्रदेश के मऊगंज की बात करते हैं। मऊगंज में न कोई अबू आजमी है और न किसी औरंगजेब की कब्र, लेकिन यहां जो बवाल हुआ उसमें एक पुलिसकर्मी की मौत हो गई और अनेक घायल हो गए। मध्यप्रदेश के मऊगंज जिले के ग?रा गांव में दो गुटों के बीच झग? की कीमत पुलिस को चुकानी प?ी। पुलिसकर्मियों के साथ झ?प ने ऐसा रूप लिया कि एक एएसआई रामचरण गौतम की जान चली गई। वहीं तहसीलदार समेत कई पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल हुए हैं। यहां न कोई हिन्दू था और न कोई मुसलमान। पक्षकार आदिवासी थे, लेकिन वे पुलिस पर भारी प?े। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इस घटना की जांच के आदेश दिए हैं।

प्रदेश में पुलिस का इकबाल बुलंद नहीं हो पाया है। कारण यह है कि प्रदेश पुलिस के कई कर्मचारी और अधिकारी भ्रष्टाचार में लिप्त होने के साथ ही साम्प्रदायिक ताकतों और नेताओं की कठपुतली बन गए हैं। पुलिस में सिपाही से लेकर पुलिस अधीक्षक तक की पदस्थापना में सियासत का दखल है और नतीजा यह है कि लोग अब पुलिस की वर्दी का न सम्मान करते हैं और न पुलिस से खौफ कहते हैं।

बात केवल मप्र की नहीं है। चाहे बिहार हो, यूपी हो, महाराष्ट्र या पंजाब देश के कई राज्यों में वर्दी के प्रति लोगों के मन में अब न तो वो खौफ रहा है और न ही कथित रूप से वह इज्जत। चंद फीसदी वर्दी वालों को छो? दें तो अधिकांश के मन में अब दूसरी भावना रहती है। मध्यप्रदेश हो या देश का कोई अन्य प्रदेश... किसी भी थाना क्षेत्र में जाकर आप पी?तों से बात कर लीजिए। पुलिसवालों के प्रति उनके बारे में क्या ख्याल आते हैं। थानों में पदस्थ अधिकांश पदाधिकारी वर्दी को चंद रुपए के लिए 'गिरवी' रख देते हैं। मप्र के मऊगंज में घटी घटना भी उसकी बानगी कह सकते हैं। पुलिस आदिवासियों का भरोसा नहीं जीत पाई। मऊगंज में एएसआई रामचरण गौतम की हत्या कर दी गई। आदिवासियों का आरोप था कि गांव के जिस युवक की मौत को पुलिस स?क हादसा बता रही है, उनकी हत्या हुई है। पुलिस ने सही तरीके से जांच नहीं की। पुलिस ने अपनी जांच में इसे स?क हादसा ही बताया था। मगर इस बात का भरोसा पुलिस मृतक के परिवार वालों को नहीं दिलवा पाई। इसके बाद आदिवासियों ने आरोपी युवक को कैद कर पिटाई शुरू कर दी। पुलिस बचाने पहुंची तो गांव के लोगों ने उन पर हमला कर दिया। इसमें एएसआई की मौत हो गई।

पुलिस लोगों की सेवा के लिए है। हमारी आपकी सुरक्षा के लिए है। तमाम मुश्किल परिस्थितियों में वह हमारे लिए ख?ी रहती है। मगर थानों की स्थिति अब बदतर होती जा रही है। फरियादी अगर अपनी फरियाद लेकर पहुंचते हैं तो पुलिसवालों की प्राथमिकता होती है कि पहले यह देखा जाए कि जेब कितनी मोटी है। फिर जिस पार्टी के खिलाफ शिकायत है, उसकी हैसियत कितनी है। इस हिसाब से कथित रूप से थानों में डील के लिए तैनात दलालों का रैकेट एक्टिव हो जाता है। फिर रुपए दीजिए और सारी चीजें मैनेज होने लगती हैं। इसका जीता जागता उदाहरण और पुलिस में रिश्वतखोरी का ब?ा मामला हाल ही में भोपाल में सामने आया है। एक थाने के थाना प्रभारी ने कॉल सेंटर पर छापेमारी की थी। छापेमारी के बाद कई लोगों के नाम सामने आए हैं। ऐसे में पुलिस के पास डील का ऑफर आया है। थानेदार ने इस ऑफर को स्वीकार किया और 25 लाख रुपए में डील फाइनल हो गई। डील करवाने वालों में एक नेता था, जिसे पार्टी ने अब निकाल दिया है। मामले का खुलासा हुआ तो थानेदार, एक एएसआई और चार पुलिसकर्मियों पर केस दर्ज हुआ। ऐसा ही मामला एक छतरपुर में आया है। वर्दी पहनते वक्त संविधान की शपथ लेने वाले टीआई अरविंद कुजूर खुद ही ब्लैकमेलिंग में फंस गए। एक 21 साल की युवती से परेशान होकर टीआई ने खुदकुशी कर ली । टीआई ने दोस्ती के बाद उसे कई महंगे तोहफे दिलाए। कथित रूप से आरोप है कि टीआई को एक साल में उतनी सैलरी नहीं मिलती, जितने के गिफ्ट उस युवती को दिए गए। अब चर्चा है कि आखिर वो रुपए उनके पास आए कैसे। आए दिन प्रदेश के किसी न किसी जिले से रिश्वत के साथ पुलिसकर्मियों की गिरफ्तारी की खबरें भी आती हैं। हालांकि ये बहुत छोटी मछलियां होती हैं। इंदौर पुलिस की बेबसी भी कुछ दिन पहले देखने को मिली थी। कुछ अपराधी कार में बैठाकर एक एएसआई को पीट रहे थे। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस की काफी फजीहत हुई। बाद में गुंडों पर कार्रवाई की गई। यही नहीं, आए दिन अनैतिक गतिविधियों में भी पुलिस की संलिप्तता सामने आती है। इसमें जुए से लेकर ड्रग्स की सप्लाई तक शामिल है।

'अल्पसंख्यकों' को सरकारी ठेकों में चार फीसदी कोटा क्यों?

कांग्रेस शासित कर्नाटक की सरकार ने अल्पसंख्यक ठेकेदारों को सरकारी खरीद के ठेकों में 4 प्रतिशत आरक्षण देने का फैसला किया है, उससे मुस्लिम सबसे ज्यादा लाभान्वित होंगे। हालांकि, राज्य सरकार का यह निर्णय वैधानिक दृष्टि से न्यायसंगत प्रतीत नहीं होता है। ऐसा इसलिए कि भारत एक धर्मनिरपेक्ष देश तो है, लेकिन यह हिंदुओं के हिस्से वाला हिंदुस्तान भी है। जबकि हमारे राजनेता वोट बैंक की लालच में इस क?वी सच्चाई को नजरअंदाज करते हैं, जिससे देश में अल्पसंख्यक तुष्टिकरण की सियासत को मजबूती मिलती है। चूंकि इसका सर्वाधिक लाभ मुस्लिम ठेकेदारों को मिलेगा, इसलिए कांग्रेस के इस फैसले की प्रवृति और प्रकृति पर कतिपय सवाल उठना लाजिमी है।

कांग्रेस शासित कर्नाटक की सरकार ने अल्पसंख्यक ठेकेदारों को सरकारी खरीद के ठेकों में 4 प्रतिशत आरक्षण देने का फैसला किया है, उससे मुस्लिम सबसे ज्यादा लाभान्वित होंगे। हालांकि, राज्य सरकार का यह निर्णय वैधानिक दृष्टि से न्यायसंगत प्रतीत नहीं होता है। ऐसा इसलिए कि भारत एक धर्मनिरपेक्ष देश तो है, लेकिन यह हिंदुओं के हिस्से वाला हिंदुस्तान भी है। जबकि हमारे राजनेता वोट बैंक की लालच में इस क?वी सच्चाई को नजरअंदाज करते हैं, जिससे देश में अल्पसंख्यक तुष्टिकरण की सियासत को मजबूती मिलती है। चूंकि इसका सर्वाधिक लाभ मुस्लिम ठेकेदारों को मिलेगा, इसलिए कांग्रेस के इस फैसले की प्रवृति और प्रकृति पर कतिपय सवाल उठना लाजिमी है। पहला, अल्पसंख्यक वर्ग में यह आरक्षण मुस्लिमों, ईसाइयों, सिखों, जैनों, बौद्धों आदि को 4 फीसदी में से कितना-कितना प्रतिशत मिलेगा या फिर पिछले दरवाजे से सिर्फ मुस्लिमों को ही वरीयता दी जाएगी? दूसरा, जब दलितों, आदिवासियों और ओबीसी को सरकारी ठेकों में आरक्षण मिलेगा तो फिर ईडब्ल्यूएस से जु? गरीब सवर्णों को क्यों नहीं मिलेगा? तीसरा, महिलाओं और युवाओं को क्यों नहीं? किसानों-मजदूरों-कारीगरों को क्यों नहीं? सिर्फ सरकारी ठेकों में ही क्यों, प्राइवेट ठेकों और ग्लोबल ठेकों में क्यों नहीं? चतुर्थ, सिर्फ कर्नाटक में ही क्यों, हिमाचल प्रदेश आदि कांग्रेस या इंडिया गठबंधन शासित राज्यों में क्यों नहीं?

खैर, सवालों की फेहरिस्त ब?ी लंबी हो सकती है और जवाब सिर्फ यही कि कांग्रेस की कमान बैकडोर से वैसे लोगों के हाथों में जा चुकी है जो इस पार्टी को जनमानस में अलोकप्रिय बनाने पर आमादा हैं। पहले समाजवादियों और फिर राष्ट्रवादियों की राजनीतिक सफलता का राज भी यही है। इतिहास गवाह है कि अपनी घोर तुष्टिकरण की सियासत के चलते भारत और अधिकांश राज्यों की सत्ता से कांग्रेस बाहर है। 2014 और 2019 के आम चुनावों में उसकी हैसियत विपक्ष का नेता बनने लायक भी नहीं रही थी। 2024 में उसे जो अप्रत्याशित उछाल मिला, उसके उत्साह में वो फिर अतिरेक भरे फैसले कर रही है, जिससे साफ है कि कांग्रेस अब सत्ता प्राप्ति और राष्ट्र निर्माण नहीं बल्कि पार्टी ध्वंस और देश-समाज विध्वंस को गति देने की राजनीति पर आमादा है। उसकी गलत नीतियों का ही तकाजा है कि पहले भारत टूटा, फिर पाकिस्तान टूटा और कांग्रेस भी कई बार टूटी।

यदि सही कहा जाए तो कांग्रेस की असली नेता ममता बनर्जी (तृणमूल कांग्रेस नेत्री और पश्चिम बंगाल की चार बार से मुख्यमंत्री) हैं, न कि नेहरू-गांधी परिवार के सियासी जमींदार, जो सौभाग्य से नेता प्रतिपक्ष तो हैं, लेकिन वैचारिक और रणनीतिक तौर पर उसके नाकाबिल हैं! तभी तो खुद इंडिया गठबंधन के उनके साथी भी उन्हें अपना नेता मानने को लेकर किंतु परन्तु करते रहते हैं! मेरी बात उन्हें बुरी लग सकती है, लेकिन इसके मर्म को आत्मसात कर लिए तो उनकी पार्टी की सियासी किस्मत भी बदल सकती है, क्योंकि जिस पार्टी ने देश को आजादी दिलाई, सर्वाधिक समय तक देश-प्रदेश पर राज किया, उसकी मौजूदा दुर्दशा पर हर कोई तरस खाएगा।

चर्चा के मुताबिक, कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की कैबिनेट ने कर्नाटक ट्रांसपैरंसी इन पब्लिक प्रक्योरमेंट (केटीपीपी) एक्ट में बदलाव के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। खबर है कि इस एक्ट में बदलाव का यह बिल विधानसभा के इसी बजट सत्र में आएगा, जिसके पारित होने के बाद कर्नाटक के सरकारी टेंडर में मुस्लिमों सहित सभी अल्पसंख्यक वर्ग के सरकारी ठेकेदारों को 4 प्रतिशत आरक्षण का रास्ता साफ हो जाएगा। वहीं, डिप्टी सीएम ने कहा कि टेंडर में कोटा सभी अल्पसंख्यकों और पिछ? वर्ग के लिए तय किया गया है, जिसकी प्रतिशतता सम्बन्धी विस्तृत जानकारी उन्होंने नहीं दी है।

वहीं, बीजेपी ने कर्नाटक सरकार के इस फैसले को असंवैधानिक बताया और कहा कि कांग्रेस मुस्लिम सहित अल्पसंख्यक तुष्टीकरण में नए पैमाने ग? रही है। यह देश के लिए खतरा है। बीजेपी सांसद रविशंकर प्रसाद ने कहा कि हमारी पार्टी इसके खिलाफ है और विरोध करती रहेगी। बाद में कर्नाटक के डिप्टी सीएम डी.के. शिवकुमार ने कहा कि 4 प्रतिशत कोटा सिर्फ मुस्लिमों के लिए नहीं, बल्कि सभी अल्पसंख्यकों और पिछ?ों के लिए है।

वहीं, कर्नाटक में सरकारी ठेकों में मुस्लिम आरक्षण पर एक सेवानिवृत्त नौकरशाह ने कहा है कि राज्य सरकार को अख्तियार है कि वह रिजर्वेशन दे सकती है। इसी नजरिए से कर्नाटक, तमिलनाडु, केरल आदि राज्यों में मुस्लिम आदि अल्पसंख्यकों को ओबीसी कैटिगरी में रखकर सरकारी शैक्षणिक संस्थानों में प?ाई और सरकारी नौकरियों में आरक्षण दिया गया है। जबकि यहां मसला सरकारी टेंडर प्रक्रिया में रिजर्वेशन का है। हालांकि, इस पर जिसे ऐतराज है, वह संवैधानिक अदालत में इसे चुनौती दे सकता है। क्योंकि यहां नया सिर्फ यह है कि टेंडर प्रक्रिया में रिजर्वेशन दिया गया है। कैबिनेट फैसला ले सकती है जिसमें कोई शक नहीं है। यह अलग बात है कि इस फैसले को संवैधानिक कोर्ट में चुनौती दी जा सकती है। आम तौर पर संसद या विधानसभा से पास किसी भी कानून को संवैधानिक अदालत में चुनौती दी जा सकती है। तब अदालत स्क्रूटनी करती है और यह देखती है कि कानून या सरकार का फैसला संविधान के दायरे में है या नहीं।

वहीं, सुप्रीम कोर्ट के एक एडवोकेट की प्रतिक्रिया आई है कि संविधान में अनुच्छेद 15 और 16 में प?ाई-नौकरी में रिजर्वेशन का प्रावधान है, लेकिन सरकारी ठेकों में आरक्षण का जिक्र सविधान में नहीं है। चूंकि शीर्ष अदालत में कर्नाटक में सरकारी नौकरी में मुस्लिम रिजर्वेशन का मसला आ चुका है। पर मौजूदा मामला टेंडर से संबंधित है। इसलिए संवैधानिक तौर पर यह रिजर्वेशन शायद ही कोर्ट में टिक पाए। क्योंकि संविधान में आर्टिकल 15 व 16 में रिजर्वेशन दिए जाने का प्रावधान है। एजुकेशनल इंस्टीट्यूट में दाखिले के लिए आर्टिकल 15 के तहत प्रावधान है और सरकारी नौकरी में रिजर्वेशन का प्रावधान आर्टिकल 16 में है। जबकि कर्नाटक सरकार ने टेंडर में रिजर्वेशन दिया है और वह भी रिलिजन के आधार पर दिया है। वहीं यह संविधान के तहत वर्णित परिभाषा पब्लिक एंप्लायमेंट के तहत नहीं आता है। लिहाजा रिजर्वेशन सिर्फ सरकारी नौकरी और शैक्षणिक संस्थान में दाखिले के लिए हो सकता है। कानूनी जानकार बताते हैं कि कैबिनेट रिजर्वेशन दे सकती है। अगर यह संवैधानिक दायरे में है या नहीं, इस पर अहम सवाल ख?ा हुआ तो इस फैसले को चुनौती दी जा सकती है। कहने का तातपर्य यह कि यदि ऐसे फैसले से किसी को आपत्ति है तो वह कोर्ट में इसे चुनौती दे सकता है। हालांकि, वहां इसका टिकना मुश्किल लग रहा है। क्योंकि रिजर्वेशन संवैधानिक दायरे में है या नहीं, इसको लेकर अब अहम सवाल ख?ा हुआ है। वैसे कर्नाटक में मुस्लिमों के रिजर्वेशन का मामला पहले भी राजनीति का केंद्र रहा है और एक मामला सुप्रीम कोर्ट में भी पेंडिंग है। इसलिए राज्य सरकार को सर्वोच्च अदालत के फैसले का इंतजार करना चाहिए था।

इस बारे में विधि के जानकारों का यह भी कहना है कि आर्टिकल 19 (1) (जी) में ट्रेड और कॉमर्स आदि का मौलिक अधिकार है और कर्नाटक का एक मसला पहले से ही सुप्रीम कोर्ट में लंबित है। क्योंकि पिछली कर्नाटक सरकार (बीजेपी सरकार) ने अप्रैल 2024 में मुस्लिम ओबीसी के रिजर्वेशन को खत्म कर दिया था। जिसके बाद सरकार के इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई थी। इस मामले में कर्नाटक के मुस्लिम कम्युनिटी की ओर से कहा गया था कि कर्नाटक सरकार ने मुस्लिम ओबीसी का चार फीसदी रिजर्वेशन जो खत्म किया है, उसके लिए कोई उनके पास कोई स्टडी नहीं है। वहीं 26 अप्रैल 2024 को सुप्रीम कोर्ट में कर्नाटक सरकार ने कहा था कि मुस्लिम समुदाय को धर्म के आधार पर नौकरी में रिजर्वेशन न देने का जो फैसला किया गया है, वह सोच विचार कर किया गया क्योंकि यह रिजर्वेशन असंवैधानिक है और संविधान के अनुच्छेद-14 व 16 के खिलाफ है। लिहाजा सुप्रीम कोर्ट में मुस्लिम रिजर्वेशन का मामला अभी भी पेंडिंग है। सरकार का फैसला उस अधिकार में दखल देता है। ऐसे में राज्य सरकार के फैसले को जब संवैधानिक कोर्ट में चुनौती दी जाएगी तो सुप्रीम कोर्ट देखेगा कि यह संवैधानिक दायरे में है या नहीं। लेकिन पहली नजर में लगता है कि यह फैसला टिकना मुश्किल हो सकता है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि समकालीन आरक्षण जरूरतमंदों को कम और नेताओं, उद्यमियों, नौकरशाहों, जजेज, सीए आदि सफल पेशेवरों के आश्रितों को ज्यादा मिल रहा है। जिनको एक बार आरक्षण का लाभ मिल गया, उनके पुत्रों-पुत्रियों को भी यह बार बार मिल रहा है। समाज का यह वर्ग उन लोगों का हक मार रहा है, जिनके लिए यह परिकल्पना की गई थी। वहीं, इसका चुनावी हथियार बनना भी दुर्भाग्यपूर्ण है। चाहे संसद हो या सुप्रीम कोर्ट, अपनी नैतिक जवाबदेही से बचते आए हैं और किसी भी नीतिगत नाकामी के लिए इन्हें दंडित करने का कोई प्रावधान नहीं है। इसलिए हमारी संवैधानिक व्यवस्था को और अधिक कारगर बनाने के लिए राजनीतिक जवाबदेही, प्रशासनिक जवाबदेही, न्यायिक जवाबदेही और वैचारिक जवाबदेही, तय करनी होगी और इसमें बरती गई लापरवाहियों के लिये इन्हें दंडित किये जाने की भी जरूरत है। अन्यथा इनके बेमतलब तर्क वितर्क जारी रहेंगे, ये मौज करते रहेंगे और जनता बर्बाद होती रहेगी। अब वक्त है जनता को आबाद करने का, उसके लिए पारदर्शी कानून बनाने का।

औरंगजेब की कब्र पर आखिर 'तुलसी' का पौधा क्यों?

महाराष्ट्र में सपा विधायक अबू आजमी द्वारा औरंगजेब को अच्छा राजा करार दिए जाने के बाद देशभर में हलचल है। औरंगजेब को लेकर महाराष्ट्र में शुरू हुआ घमासान अब इस मुगल शासक की कब्र को गिराने तक पहुंच गया है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने औरंगजेब की कब्र को हटाने की मांग का समर्थन किया है। हाल ही में आई बॉलीवुड फिल्म छावा की रिलीज के बाद औरंगजेब को लेकर न सिर्फ महाराष्ट्र बल्कि देश में कई जगहों पर जबरदस्त बहस शुरू हो गई है। महाराष्ट्र के औरंगाबाद में औरंगजेब ने अपनी पत्नी के लिए बीबी का मकबरा बनवाया था, जिसे दक्कन का ताज भी कहा जाता है। इसी औरंगाबाद का नाम बदलकर अब छत्रपति संभाजीनगर कर दिया गया है। औरंगजेब ने अपनी 87 साल की जिंदगी के करीब 37 साल औरंगाबाद में बिताए और यहीं उसे दफनाया भी गया। अब उसी औरंगजेब की कब्र को हटाने को लेकर महाराष्ट्र में सियासी संग्राम छि? गया है। दिल्ली से इतनी दूर महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में स्थित खुल्दाबाद में औरंगजेब की कब्र क्यों बनवाई गई थी? औरंगजेब की कब्र को हटाने के लिए इतने साल बाद क्यों विवाद हो रहा है? जानते हैं औरंगजेब की कब्र की पूरी कहानी। औरंगजेब का मकबरा बेहद ही साधारण तरीके से बनाया गया है। यहां केवल मिट्टी है। मकबरा एक साधारण सफेद चादर से ढंका रहता है। कब्र के ऊपर एक सब्जा यानी तुलसी का पौधा लगाया गया है। दरअसल, औरंगजेब ने कहा था कि मेरा मकबरा बहुत सादा होना चाहिए। इसे 'सब्जे' के पौधे से ढंका होना चाहिए और इसके ऊपर छत न हो। इस मकबरे के पास एक पत्थर लगा है जिस पर शहंशाह औरंगजेब का पूरा नाम-अब्दुल मुजफ्फर मुहीउद्दीन औरंगजेब आलमगीर लिखा है। औरंगजेब का जन्म साल 1618 में हुआ था और उसका निधन 1707 में हुआ। औरंगजेब ने अपनी जिंदगी के करीब 37 साल औरंगाबाद में बिताए थे। यही वजह थी कि उसे औरंगाबाद से बेहद लगाव था। उसने औरंगाबाद में ही अपनी बेगम की कब्र 'बीबी का मकबरा' बनवाया था, जिसे दक्कन का ताज भी कहा जाता है। इसके अलावा, यहीं पर उसके पीर की कब्र भी थी, जिसे वह बहुत मानता था। औरंगजेब ने यह भी कहा था कि मेरी मौत भारत में कहीं भी हो, लेकिन मुझे दफन यहीं सूफी संत जैनुद्दीन शिराजी के पास होना चाहिए।

माननीय प्रधानमंत्री जी, पहले मणिपुर की चिंता कीजिए!

भारत एक विशाल और विविधताओं से भरा देश है, जहाँ हर क्षेत्र की अपनी अनूठी समस्याएँ और जरूरतें हैं। लेकिन हाल के वर्षों में ऐसा प्रतीत होता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्राथमिकताओं में वैश्विक मुद्दे कहीं अधिक महत्व पा रहे हैं, जबकि देश के आंतरिक संकटों को या तो अनदेखा किया जा रहा है या फिर उन्हें हाशिये पर डाल दिया जा रहा है। यूक्रेन-रूस युद्ध को लेकर प्रधानमंत्री की सक्रियता और उनकी अंतरराष्ट्रीय भूमिका इस बात का संकेत देती है कि वे वैश्विक मंच पर अपनी छवि एक 'शांति दूत' के रूप में स्थापित करना चाहते हैं। लेकिन बड़ा सवाल यह उठता है कि जब मणिपुर जल रहा था, तब प्रधानमंत्री ने इस मुद्दे पर उतनी गंभीरता क्यों नहीं दिखाई?

यूक्रेन-रूस युद्ध बनाम मणिपुर हिंसा

यूक्रेन-रूस युद्ध पर प्रधानमंत्री मोदी लगातार अपनी 'मध्यस्थता' और 'शांति प्रयासों' को आगे बढ़ाने में लगे हुए हैं। दुनिया के मंचों पर उन्होंने बार-बार इस बात को दोहराया कि यह युद्ध का युग नहीं है और भारत एक 'विश्वगुरु' की भूमिका में शांति स्थापित करने की कोशिश कर रहा है। लेकिन क्या शांति स्थापित करने का दायित्व सिर्फ़ अंतरराष्ट्रीय मुद्दों तक सीमित है? क्या मणिपुर के हजारों नागरिकों की पीड़ा उस वैश्विक छवि से कम महत्वपूर्ण थी, जिसे मोदी सरकार गढ़ने में व्यस्त रही?

मणिपुर में जातीय हिंसा मई 2023 से शुरू हुई और महीनों तक वहाँ हालात बिगड़ते चले गए। हजारों लोग बेघर हो गए, सैकड़ों की जान चली गई, और राज्य में दो समुदायों के बीच तनाव इस कदर बढ़ गया कि पूरा इलाका युद्धक्षेत्र में बदल गया। लेकिन इन सबके बावजूद, प्रधानमंत्री की चुप्पी ने सबको चौंका दिया। संसद में जब वे इस विषय पर बोले भी, तो वह महज़ औपचारिकता भर लगी। सवाल यह है कि क्या एक प्रधानमंत्री का कर्तव्य अपने ही देशवासियों के प्रति नहीं बनता?

क्या नोबेल शांति पुरस्कार की चाह है वजह?

कई राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि प्रधानमंत्री मोदी की वैश्विक मंच पर सक्रियता और विशेष रूप से यूक्रेन-रूस युद्ध को लेकर उनकी 'शांति की पहल' महज़ एक रणनीति का हिस्सा हो सकती है। यह रणनीति अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत को एक 'मध्यस्थ शक्ति' के रूप में प्रस्तुत करने और प्रधानमंत्री को नोबेल शांति पुरस्कार की दौड़ में शामिल करने की हो सकती है।

अगर हम हाल के वर्षों पर नज़र डालें, तो मोदी सरकार ने अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में जिस तरह खुद को एक प्रमुख 'शांति वाहक' के रूप में पेश किया है, वह असामान्य नहीं है। चाहे अमेरिका और रूस के बीच संतुलन साधने की कोशिश हो या जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान वैश्विक नेताओं के साथ 'भारत की शांति नीति' पर चर्चा, यह सब एक बड़े कूटनीतिक खेल का हिस्सा नजर आता है। लेकिन इस पूरी कवायद में सबसे बड़ा नुकसान यह हुआ कि भारत के अपने आंतरिक संघर्षों को सरकार ने हाशिये पर डाल दिया।

घरेलू समस्याएँ पहले या वैश्विक छवि?

यह कोई तर्क नहीं हो सकता कि भारत एक वैश्विक शक्ति बन रहा है, इसलिए उसे अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपनी भूमिका निभानी ही होगी। हाँ, भारत का अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक मज़बूत स्थान होना चाहिए, लेकिन उसकी प्राथमिकता अपने नागरिकों की सुरक्षा और शांति होनी चाहिए। क्या प्रधानमंत्री मोदी को पहले मणिपुर की जनता के जख्मों पर मरहम नहीं लगाना चाहिए था? क्या उन्हें पहले यह सुनिश्चित नहीं करना चाहिए था कि देश के किसी भी कोने में हिंसा और अराजकता को समाप्त किया जाए?

आज अगर भारत को एक 'विश्वगुरु' बनना है, तो इसकी शुरुआत अपने ही देश में स्थिरता और शांति लाने से होनी चाहिए। मणिपुर हिंसा ने यह स्पष्ट कर दिया कि जब देश के आंतरिक मुद्दों की बात आती है, तो मोदी सरकार का ध्यान अपेक्षाकृत कम होता है। अगर यही रवैया जारी रहा, तो जनता का भरोसा कम होना तय है।

प्रधानमंत्री मोदी की विदेश नीति और वैश्विक छवि निर्माण की राजनीति को लेकर कई सवाल उठते हैं। यूक्रेन-रूस युद्ध में 'शांति वार्ता' के प्रयासों के बजाय अगर वे मणिपुर के लोगों के दुख-दर्द को पहले सुनते, तो शायद वे अपने ही देशवासियों के लिए एक बेहतर नेता साबित होते। भारत को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर एक 'शक्ति' के रूप में स्थापित करने की महत्वाकांक्षा अगर अपने ही नागरिकों के जीवन और सुरक्षा से ऊपर हो जाएगी, तो यह निश्चित रूप से एक खतरनाक संकेत है। प्रधानमंत्री जी, पहले अपने देश की शांति सुनिश्चित करिए, फिर दुनिया को शांति का संदेश दीजिए!

(राजीव खरे ब्यूरो चीफ छत्तीसगढ़)

रंग गुलाल के बीच फाग मंडलियों की शानदार प्रस्तुतियां

भाजपा जिलाध्यक्ष व विधायक ने कार्यकर्ताओं के संग मनाई होली

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ
शहडोल, जिला अध्यक्ष श्रीमती अमिता चपरा ने भाजपा कार्यालय में आयोजित होली मिलन समारोह में सर्व समाज की जनता को होली की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि होली हमारे भारतीय संस्कृति का महत्वपूर्ण त्यौहार है शांति के सद्भावना भाईचारा बनाए रखने के लिए हम एक दूसरे के प्रति गले मिलकर होली पर्व बनाते हैं उन्होंने कहा भक्त प्रहलाद भगवान के भक्त थे और जिस तरह होलिका ने भक्त पहलाद को अपनी गोदी में लेकर अग्नि में बैठ गई और होली का तो जल गई लेकिन भक्त प्रहलाद श्री राम जी का उद्घोष करते हुए बच गए और तभी से हमारा होली का पर्व यह प्रारंभ होता है। होली रंगों का तथा हँसी-खुशी का त्योहार है। यह भारत का एक प्रमुख और प्रसिद्ध त्योहार है, जो आज विश्वभर में मनाया जाने लगा है रंगों का त्यौहार कहा जाने वाला यह पर्व पारंपरिक रूप से दो दिन मनाया

जाता है। यह प्रमुखता से भारत तथा नेपाल में मनाया जाता है। यह त्यौहार कई अन्य देशों जिनमें अल्पसंख्यक हिन्दू लोग रहते हैं वहाँ भी धूम-धाम के साथ मनाया जाता है। पहले दिन को होलिका जलायी जाती है, जिसे होलिका दहन भी कहते हैं। दूसरे दिन धुड़ेरी को लोग एक दूसरे पर रंग, अबीर-गुलाल लगाकर, ढोल बजा कर होली के गीत गाये जाते हैं और घर-घर जा कर लोगों को रंग लगाया जाता है। ऐसा माना जाता है कि होली के दिन लोग आपसी मतभेद पुरानी कटुता को भूल कर गले मिलते हैं और फिर से दोस्त बन जाते हैं।
होली पर्व के अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष श्रीमती अमिता चपरा द्वारा भाजपा कार्यालय में होली मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया जहां धूमधाम हर्ष उल्लास के साथ होली का त्योहार मनाया गया वही आपको बता दें कि कार्यक्रम में दूरदराज के ग्रामीण क्षेत्र से आई हुई फाग मंडलियों ने भी अपनी शानदार प्रस्तुतियां दी रंग गुलाल अबीर लगाकर एक दूसरे को बधाई देते हुए नजर आए तो वही फाग मंडली द्वारा ढोलक नगाड़े बजाकर फाग गीतों की शानदार प्रस्तुतियां दी गई फाग गीतों पर भाजपा जिला अध्यक्ष श्रीमती अमिता चपरा, विधायक श्रीमती मनीषा सिंह एवं कार्यकर्ता पदाधिकारी थिरकते नजर आए सभी ने एक दूसरे को रंग गुलाल लगाकर जमकर होली खेली और एक दूसरे को मिठाई खिलाकर होली की बधाई दी
इस दौरान भाजपा जिला अध्यक्ष श्रीमती अमिता चपरा ने होली मिलन समारोह में पधारे जिले भर के सभी भाजपा वरिष्ठ /श्रेष्ठ कार्यकर्ताओं से मुलाकात की तथा मिठाई खिलाकर व अबीर गुलाल लगाकर होली की बधाई दी।

20 से दादाजी की स्मृति शेष में श्रीराम कथा

मनोज टीवीएस परिवार का दस दिवसीय आयोजन

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ
शहडोल, कौशल प्रसाद गुप्ता एवं पिताजी राममित्र गुप्ता के पुण्य स्मरण में संगीतमय श्रीराम कथा का आयोजन गुरुवार 20 मार्च से शनिवार 29 मार्च तक सिंधी धर्मशाला के सामने शुभम पैलेस शहडोल में किया जा रहा हैं। यह आयोजन मनोज ट्रेडिंग कंपनी, मनोज एंड ब्रदर्स एवं मनोज टीवीएस परिवार के द्वारा स्मृति शेष दादाजी कौशल प्रसाद गुप्ता एवं पिताजी राममित्र गुप्ता के पुण्य स्मरण में किया जा रहा हैं।
कार्यक्रम के आयोजक मनोज टीवीएस परिवार के हनुमान प्रसाद गुप्ता, राजेश गुप्ता एवं मनोज गुप्ता ने आयोजन के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि गुरुवार 20 मार्च को दोपहर 02 बजे से कार्यक्रम की शुरुआत कलश यात्रा से होगी।
कलश यात्रा
गणेश मंदिर से प्रारंभ होकर कथा स्थल शुभम पैलेस पहुंचेगी। जहा संगीतमय श्रीराम कथा का श्रवण श्रोताओं को ब्रम्हलीन स्वामी संकर्षण प्रपन्नाचार्य जी के कृपापात्र बद्री प्रपन्नाचार्य जी महाराज द्वारा स्वामी रामकृष्ण आचार्य के सानिध्य में कथा के मुख्य यजमान श्रीमती बब्बी बाई गुप्ता सहित श्रोताओ को श्रीराम कथा का रसपान 20 मार्च से आगामी नौ दिनों तक कथा स्थल शुभम पैलेस में प्रतिदिन दोपहर 3 बजे से सायं 7 बजे तक रामायण महात्म्य एवं उसकी महिमा से कराएंगे।
श्रीराम कथा के आयोजक के

मुताबिक प्रात: यज्ञाचार्य पंडित राम सुशील शास्त्री जी द्वारा प्रतिदिन पूजा पाठ संपादित कराया जाएगा, तत्पश्चात अपरान्ह तीन बजे से पंडित बद्री प्रपन्नाचार्य जी महाराज द्वारा श्रीराम कथा का रसपान श्रोताओं को कराएंगे।
कार्यक्रम का विवरण (बॉक्स बनाकर लगाए)
प्रथम दिवस पंडित बद्री प्रपन्नाचार्य जी महाराज द्वारा गुरुवार, 20 मार्च को कलश यात्रा के उपरांत अपरान्ह तीन बजे से रामायण महात्म्य, वंदना, नाम महिमा इत्यादि का श्रवण कराएंगे।
द्वितीय दिवस शुक्रवार 21 मार्च को याज्ञवल्क्य, भारद्वाज, प्रयाग महिमा, सती प्रसंग, शिव पार्वती विवाहोत्सव ।
तृतीय दिवस शनिवार, 22 मार्च को शिव पार्वती संवाद, नारद मोह, राजा भानुप्रताप प्रसंग, राम जन्मोत्सव ।
चतुर्थ दिवस रविवार, 23 मार्च को बालचरित, यज्ञरक्षा, जनकपुर प्रवेश, धनुषभंग, रामविवाहोत्सव ।
पंचम दिवस सोमवार, 24 मार्च को आयोध्या दर्शन, राजतिलक की तैयारी, राम वनगमन, केवट प्रसंग आदि का रसपान महाराज जी द्वारा कराया जाएगा।
षष्टम् दिवस मंगलवार 25 मार्च को चित्रकूट निवास, भरत मिलन, अरण्य की यात्रा, सन्त दर्शन आदि ।
सप्तम दिवस बुधवार 26 मार्च को सीता हरण, लंका दहन आदि ।
अष्टम् दिवस गुरुवार 27 मार्च को सीता खोज, रामेश्वरम् स्थापना आदि ।
नवम् दिवस शुक्रवार 28 मार्च को राम रावण सुंदर काण्ड, आयोध्या वापसी, राम राज्याभिषेक कागभुशुंडि गरुण व्याख्यान के साथ ही संगीतमय श्रीराम कथा का विश्राम हो जाएगा।
दसवां दिवस शनिवार 29 मार्च को प्रात: 9 बजे से पूर्णाहुति, हवन एवं भंडारा प्रसाद, दोपहर एक बजे से होगा। यह कार्यक्रम बिहारी लाल गुप्ता, बैद्यनाथ गुप्ता, चोखेलाल गुप्ता, रामलाल गुप्ता के मार्गदर्शन में आयोजित संगीतमय श्रीराम कथा के आयोजक मनोज टीवीएस परिवार के श्रीमती बब्बी बाई गुप्ता, श्रीमती सुनीता-हनुमान प्रसाद गुप्ता, श्रीमती वर्षा-राजेश गुप्ता, श्रीमती आरती-मनोज गुप्ता, श्रीमती रुचि-योगेश गुप्ता, श्रीमती काजल-हिमांशु गुप्ता के साथ शिवांशु, अक्षत, दीपांशु, अनन्या, आव्या, नित्या ने सभी से सपरिवार श्रीराम कथा का श्रवण कर पुण्य लाभ लेने का आह्वान किया हैं।

MP शहडोल के मिनी ब्राजील की अमेरिका तक गूंज

अमेरिकन पॉडकास्ट पीएम को याद आया शहडोल में बसा मिनी ब्राजील, कहा चार-चार पीढी से लोग खेल रहें फुटबाल

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ
शहडोल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिकन पॉडकास्टर लेक्स फ्रिडमैन के साथ विस्तार से बातचीत की, जिसमें उन्होंने मध्यप्रदेश के शहडोल जिले के दौरे की स्मृतियों को साझा करते हुए पॉडकास्ट में पीएम मोदी ने शहडोल जिले के जनजातीय बाहुल्य गांव विचारपुर की चर्चा की, जिसे मिनी ब्राजील के नाम से जाना जाता है। उन्होंने कहा कि शहडोल जिले की यात्रा में उन्हें उस जगह के बारे में पता चला, जहां के निवासियों में फुटबॉल के प्रति अटूट प्रेम है और वे अपने क्षेत्र को मिनी ब्राजील कहते हैं। अमेरिकन पॉडकास्ट में पीएम मोदी ने कहा हमारे यहां सेंट्रल पार्ट ऑफ इंडिया में मध्य प्रदेश एक स्टेट है, वहां शहडोल एक जिला है, शहडोल जिला बहुत बड़ा ट्राइबल बेल्ट है, जहां काफी ट्राइबल लोग रहते हैं वहां ट्राइबल महिलाएं स्व सहायता समूह चलती हैं। प्रधानमंत्री ने शहडोल जिले के भ्रमण की स्मृतियों को साझा करते हुए कहा कि उनसे मैं बातचीत कर रहा था. उनसे बातचीत करना मुझे पसंद आता है, मै ऐसे ही लोगों से बातचीत करने और उनसे मिलने शहडोल गया था, वहीं पर मैंने देखा कि स्पोर्ट्स की ड्रेस पहने हुए वहां 80 से 100 के करीब नौजवान, छोटे बच्चे, सभी लोग एक ही प्रकार से बैठे थे, स्वाभाविक है मैं उनके पास गया. मैंने पूछा कि आप लोग कहां से हैं, तो सभी ने कहा कि हम मिनी ब्राजील से हैं। मैंने खिलाड़ियों से पूंछा कि मिनी ब्राजील क्या है? तो खिलाड़ियों ने जवाब दिया कि हमारे गांव विचारपुर को लोग मिनी ब्राजील कहते हैं, तो मैंने बोला कैसे मिनी ब्राजील कहते हैं? तो खिलाड़ियों ने बताया कि हमारे गांव में हर परिवार में लगभग चार-चार पीढ़ी से लोग फुटबॉल खेलते आ रहे हैं और नेशनल प्लेयर 80 के करीब हमारे गांव से निकले हैं, पूरा गांव फुटबॉल को समर्पित है और वो कहते हैं कि हमारे गांव का इंडिविजुअल मैच जब होता है, तो 20 से 25 हजार दर्शक तो आसपास के गांव से ही आ जाते हैं, तो भारत में जो फुटबॉल का क्रेज इन दिनों बढ़ रहा है, मैं उसके लिए इसे शुभ संकेत मानता हूं. यह टीम स्पिरिट भी पैदा करता है। दरअसल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 1 जुलाई 2023 को शहडोल जिले के प्रवास पर आए हुए थें। प्रवास के दौरान प्रधानमंत्री ने स्व- सहायता समूह की महिला सदस्यों और शहडोल संभाग की फुटबाल क्रांति के खिलाड़ियों से मिलकर महिला स्व. सहायता समूह की महिलाओं और फुटबाल खिलाड़ियों से चर्चा कर उत्साहवर्धन किया था। शहडोल जिले के ग्राम विचारपुर गांव सहित शहडोल संभाग के लगभग सभी गांवों में फुटबाल क्लबों का गठन किया गया है तथा फुटबाल खिलाड़ियों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा पूर्व में भी मन की बात कार्यक्रम में भी शहडोल संभाग की फुटबाल क्रांति के संबंध में चर्चा की जा चुकी है जिससे शहडोल संभाग के फुटबाल खिलाड़ियों में नया उत्साहवर्धन हुआ है।

ग्रीष्म ऋतु में पेयजल समस्या का होगा त्वरित निराकरण

पेयजल प्रकोष्ठ गठित हेल्पलाइन नंबर जारी

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ
शहडोल, कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग शहडोल ने आदेश जारी कर जिले में ग्रीष्म ऋतु में जनजनित बीमारियों एवं संभावित पेयजल समस्या के त्वरित निराकरण, नियंत्रण एवं रोकथाम व पेयजल व्यवस्था के सुचारू संचालन हेतु जिला स्तरीय एवं विकासखंड स्तरीय पेयजल प्रकोष्ठ का गठन किया है जिला स्तरीय प्रकोष्ठ का दूरभाष क्रमांक 07652240 397 है। जिला स्तरीय पेयजल प्रकोष्ठ के संचालन हेतु यूके सोनी प्रकोष्ठ प्रभारी, मनोज कुमार सिंह प्रकोष्ठ रजिस्टर प्रभारी, राहुल मरकाम रोहिणी कुमार बर्मन की ड्यूटी लगाई गई है।इसी प्रकार लोक स्वास्थ यंत्रिकी उपखंड शहडोल में विवेक तिवारी सहायक यंत्री मो. नं. 9238172427, के एस गर्ग उप यंत्री, शुभम शिवहरे उपयंत्री, दीप नारायण त्रिपाठी विकासखंड समन्वयक, लोग स्वास्थ्य यंत्रिकी उपखंड बुढार हेतु व्ही केसरवानी प्रभारी सहायक यंत्री मो. नं. 9424362875, अजय कुमार श्रीवास्तव उप यंत्री, कुमारी अपर्णा यादव उप यंत्री, रोहिणी गुप्ता विकासखंड समन्वयक, लोक स्वास्थ्य यंत्रिकी उपखंड व्यवहारी हेतु व्ही केसरवानी प्रभारी सहाय केंद्रीय, व्ही एन पटेल उप यंत्री, नरेंद्र कोरी टेक्नीशियन, राजकरण मौर्य टेक्नीशियन, की ड्यूटी लगाई गई है। उपखंड स्तरीय अधिकारी कर्मचारी जिला प्रकोष्ठ से प्राप्त शिकायतों का उपखंड स्तर से प्राप्त शिकायतों को पंजीकृत कर निराकरण की कार्यवाही करना सुनिश्चित करेंगे एवं इसे भी पंजीबद्ध करेंगे।

ग्रीष्म काल में पेयजल समस्या का होना चाहिए तत्काल निराकरण - कलेक्टर

सभी पूर्ण योजनाओं का भौतिक सत्यापन आवश्यक - सीईओ जिला पंचायत

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ
उमरिया, ग्रीष्म काल में पेयजल संकट से निपटने की समस्त तैयारियां लो0 स्वा-यां. एवं जल निगम पूर्ण करें। 80 प्रतिशत से अधिक पूर्णता वाली नल जल योजनाएं 31 मार्च तक, 70 प्रतिशत वाली 10 अप्रैल तक तथा शेष योजनाएं 30 अप्रैल तक पूरा करें । लोक स्वा0 यांत्रिकीय विभाग तथा जल निगम के अधिकारी एवं मैदानी अमला मैदानी क्षेत्रों का भ्रमण कर यह सुनिश्चित करें कि जो नल जल योजनाएं पूरी हो गई है वे व्यवस्थित रूप से संचालित रहें, जहां मरम्मत या अन्य तकनीकी समस्यायें आ रही हो, उनका तत्काल निराकरण कराएं । सभी उपयंत्री इस आशय का प्रमाण पत्र देंगे कि योजना के प्रावधान के अनुसार सभी घरों में नल से स्वच्छ पेयजल प्राप्त हो रहा है । इस आशय के निर्देश कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने लोक स्वा0 यांत्रिकीय विभाग तथा जल जीवन

मिशन के माध्यम से संचालित नल जल योजनाओं की समीक्षा बैठक में दिए । बैठक में सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह, कार्यपालन यंत्री लोक स्वा. यांत्रिकीय एच एस धुर्वे, कार्यपालन यंत्री जल संसाधन सरोज सिंह, कार्यपालन यंत्री विद्युत मंडल अभिषेक सिंह, एसडीओ वन कुलदीप त्रिपाठी, सहायक आयुक्त एवं जिला शिक्षा अधिकारी के प्रतिनिधि तथा विभागीय अमला एवं ठेकेदार उपस्थित रहे ।
कलेक्टर ने नल जल योजनावार समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि योजनाओं का काम पूरा होने के पश्चात कार्य से तकनीकी अमला के संतुष्ट होने के पश्चात ही हैंडओव्हर किया जाए । जिन योजनाओ के संचालन में विद्युत संबंधी समस्यायें आ रही है , कार्यपालन यंत्री विद्युत मंडल से संपर्क कर उनका निराकरण कराया जाए । ग्रीष्मकाल में पेयजल संकट वाले ग्रामों की पहचान कर अभी से पेयजल संकट से निपटने के उपाय किए जाए । जल परिवहन की नौबत नही आनी चाहिए ।

फिर बढ़ेंगे अचल सम्पत्तियो के दाम, मूल्यांकन समिति की बैठक सम्पन्न

19 तक आमंत्रित बाजार मूल्य निर्धारण हेतु नागरिकों के सुझाव

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ
शहडोल, मध्यप्रदेश बाजार मूल्य मार्गदर्शक सिद्धांतों का बनाया जाना और उनका पुनरीक्षण नियम 2018 के पालन में आज कलेक्टर डॉ.केदार सिंह की अध्यक्षता में जिला शहडोल अंतर्गत आने वाली अचल सम्पत्तियों के बाजार मूल्य निर्धारण हेतु वर्ष 2025-26 के लिए उप जिला मूल्यांकन समिति के अनुमोदन पश्चात् संकलित वर्ष 2025-26 के लिए अचल सम्पत्ति के बाजार मूल्य की दरें निर्धारित करने हेतु बैठक आयोजित की गई । बैठक में कलेक्टर ने दरों को विकास के अनुरूप रखने तथा ग्रामीणों को उनकी सही कीमत मिलने को ध्यान में रखकर निर्धारित करने के निर्देश दिए ।
होगा गाइडलाइन में संसोधन...
जिले में संभावित विकास, सम्पदा द्वारा प्रदाय जानकारी व नगरीय निकास के विस्तार आदि तथ्यों को ध्यान में रखते हुए जिला मूल्यांकन समिति के सभी सदस्यों द्वारा चर्चा उपरांत वर्ष 2025-26 की प्रस्तावित गाईड-लाईन में युक्तियुक्त वृद्धि करने एवं आवश्यक संशोधन करने हेतु अपनी अनुशंसा एवं सहमति प्रदान की गई। पारित प्रस्तावों का अवलोकन कार्य दिवसों में जिला पंजीयक कार्यालय शहडोल एवं उपपंजीयक कार्यालय शहडोल, जयसिंहनगर एवं ब्यौहारी में किया जा सकता है।
आप भी दे सकते हैं सुझाव..
नागरिक अपने सुझाव 19 मार्च तक जिला पंजीयक कार्यालय शहडोल में प्रस्तुत कर सकते। पारित प्रस्ताव केन्द्रीय मूल्यांकन बोर्ड को प्रेषित किये जाएंगे जो अनुमोदन उपरान्त वर्ष 2025-26 के लिए अचल सम्पत्ति के बाजार मूल्य लागू हो जायेंगे। पारित प्रस्ताव में जिले की लगभग 573 लोकेशन में वृद्धि प्रस्तावित की गई है । शेष क्षेत्रों में दरें यथावत रखी गई हैं ।
इनकी रही मौजूदगी...
बैठक में जयसिंहनगर विधानसभा क्षेत्र से विधायक प्रतिनिधि गजेंद्र श्रीवास्तव, जिला पंजीयक अभिषेक सिंह बघेल, अति मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत, मुख्य नगर पालिका अधिकारी, भाड़ा नियंत्रण अधिकारी, कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग, कार्यपालन अभियंता जल संसाधन विभाग, सहायक संचालक नगर निवेश, कार्यपालन अभियंता हाउसिंग बोर्ड, वन विभाग, उद्योग विभाग, तथा पंजीयन विभाग के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

कोविड-19 में अनाथ एवं निराश्रित बच्चो के वरदान बना कोल इंडिया

दरियादिली: एसईसीएल सोहागपुर ने दिए 10 लाख 20 हजार

SECL
South Eastern Coalfields Ltd.

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ
शहडोल, कलेक्टर डॉ केदार सिंह की उपस्थिति में आज कोविड-19 महामारी के दौरान अनाथ या एकल माता या पिता को खोने वाले देखरेख एवं संरक्षण की श्रेणी के बच्चों को लाभान्वित किये जाने हेतु बैठक संपन्न हुई। बैठक में बताया गया कि जिले अन्तर्गत इच्छुक औद्योगिक इकाई / संस्थान एसईसीएल सोहागपुर के द्वारा परिक्षेत्रान्तर्गत बालकों का चिन्हांकन किया गया था। म0प्र0 बाल प्रायोजन दिशा निर्देश 2020 एवं मिशन वात्सल्य के दिशा-निर्देशानुसार निजी बाल प्रयोजन पालन-पोष्ण प्रर्वतकता कार्यक्रम (निजी स्पॉसरशिप योजना) अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2022-23 में एसईसीएल सोहागपुर द्वारा 15 बालकों के पालन पोषण, शिक्षा, चिकित्सा एवं अन्य विकासात्मक आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु परियोजना प्रस्ताव अल्पावधि न्यूनतम एक वर्ष की कुल राशि 3,60,000 रुपये की स्वीकृति उपरान्त 2000/- रुपये प्रति बालक प्रतिमाह के मान से एवं वित्तीय वर्ष 2024-25 में उक्त श्रेणी अन्तर्गत 20 बालकों को मिशन वात्सल्य के नवीन मापदण्ड अनुसार परियोजना की कुल राशि 9,60,000 रुपये की स्वीकृति उपरान्त 4000/- रुपये प्रति बालक प्रतिमाह के मान से मासिक बालहितग्राही एवं संरक्षक के संयुक्त बैंक खाते में अल्पावधि न्यूनतम एक वर्ष की राशि इण्डियन रेडकास सोसायटी के माध्यम से प्रदायित की जा चुकी है। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा उक्त बालकों का निरन्तर फॉलोअप किया गया जिसमें योजना की प्राप्त राशि का उपयोंग संरक्षक द्वारा बालकों के पालन-पोषण, शिक्षा, चिकित्सा एवं दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति पर किया गया है।

ससुराल में कुल्हाड़ी मार अज्ञात युवकों ने दामाद पर जानलेवा हमला किया बाद में हुई मौत

सुनील यादव । सिटी चीफ
कटनी, होली पर त्योहार मनाने एक युवक अपने निजी निवास कटनी से (मैहर) अमदरा ससुराल गया हुआ था, जहां गांव के कुछ युवको से उसका विवाद हो गया। विवाद के कारण युवकों ने मारपीट करते हुए उस पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। घटना के बाद घायल युवक को कटनी शासकीय जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था जहां पर उसकी मौत हो गई। मृतक के परिजनों ने बताया कि मृतक कटनी के ग्राम पोसरा निवासी 26 वर्षीय हरप्रासद यादव अपनी ससुराल जिला मैहर के ग्राम धडेलीपुरा गया हुआ था। जहा अवैध शराब बेचने को लेकर उसके मना करने पर कुछ गांव के युवकों ने उस पर प्राण घातक

हमला कर दिया। घटना में कटनी ग्राम पोसरा निवासी हरप्रसाद यादव गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसके साथ तीन अन्य युवक भी घायल हुए थे। जिन्हे शासकीय जिला अस्पताल कटनी इलाज हेतु लाया गया जहां इलाज के दौरान पोसरा निवासी युवक की मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायमी कर जांच प्रारंभ कर दी है। वही बताया जा रहा है की आरोपी को थाना आमदरा पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

होली में हुआ होलिका दहन, जमकर उड़ाये गुलाल,घरों में सुनाई दिये फाग

झामूल में धूमधाम से मनाया गया होलिका पर्व,एक दूसरे को दिये बधाई

लाकेश पंचेश्वर । सिटी चीफ बालाघाट, सदियों पीढ़ी से मनाया जाने वाला होली पर्व इस वर्ष भी बड़े ही धूमधाम व हर्ष उल्लास के साथ बिरसा जनपद पंचायत अन्तर्गत आने वाली ग्राम पंचायत झामूल में मनाया गया है,वहीं 13 मार्च दिन गुरुवार को रात्रि में होलिका दहन,विधिवत पूजन अर्चन कर किया गया तत्पश्चात गुलाल लगाकर एक दूसरे को होली पर्व कि बधाई देते हुए होलिका गीत पर देर रात्रि तक खुब नृत्य भी किये। तत्पश्चात 14 मार्च दिन शुक्रवार को सुबह से ही रंग गुलाल लगाकर एक दूसरे को बधाई देते हुए एक दूसरे के गले लगते हुए दिखाई दिए,जिसमें ग्राम के नन्हे मुन्ने बच्चे युवा वर्ग इस पर्व में खुब आनंद लेते हुए नजर आए सभी के चेहरे रंगों से रंगे नजर आ रहे थे सभी होली के त्यौहार में मग्न थे। तथा रंग रोगन दिन भर चलते रहा कुछ लोग टोली में घुमते हुए नजर आए, तथा ग्राम के बुजुर्ग व युवा साथी घर घर जाकर फाग गीत भी गाए बदले में उन्हें होली में फगवा के रूप में कुछ राशि उपहार के रूप में दि जाती हैं। प्रेस से चर्चा करते हुए ग्राम सरपंच श्री गौतरिया मरावी ने बताया कि होली पर्व का सभी लोगों को बहुत ही बेसब्री से इंतेंज़ार रहता है क्योंकि यह पर्व को सभी धर्मों के लोग बहुत ही सादगी व आनंद लेकर मनाते है,गांव में ऐसे बहुत से परिवार के लोग निवास करते हैं जो परिवार भरण पोषण हेतु बाहर प्लायन करते हैं वह भी इस पर्व को मनाने अपने अपने घर में आते हैं, सभी लोगों से मिलना भी हो जाता है वहीं अनेक वर्षों से यह पर्व को मनाते हुए आ रहे हैं आज ग्राम में महिलाएं पुरुष व नवजवान साथी तथा बच्चों के द्वारा खुब एक दूसरे को गुलाल लगाकर होली कि बधाई दिये है।यह पर्व एक दूसरे को बधाई देने वाला पर्व है इसमें दुश्मन भी एक दूसरे को गुलाल लगाकर आपस गले मिलते हैं। तथा ग्राम कि महिलाओं के द्वारा समुह के माध्यम से होली में फगवा गीत गाये गये है,जो बधाई के पात्र हैं।

भारतीय सेना (अग्निवीर) में भर्ती हेतु इच्छुक उम्मीदवारों के जागरूकता के लिए जिले में लगाया जाए कैंप-कलेक्टर

आयुष्मान योजना अंतर्गत छूटे हुए हितग्राहियों का अभियान चलाकर बनाया जाए आयुष्मान कार्ड-कलेक्टर

सुशिल सोनी । सिटी चीफ अनूपपुर, कलेक्टर श्री हर्षल पंचोली ने भारतीय सेना (अग्निवीर) में भर्ती होने हेतु इच्छुक उम्मीदवारों के जागरूकता के लिए औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था अनूपपुर के प्राचार्य को सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग एवं जिला शिक्षा अधिकारी के साथ समन्वय कर कैंप आयोजित कर निर्धारित मापदण्डों के आधार पर ज्यादा से ज्यादा उम्मीदवारों का पंजीयन कराने के निर्देश दिए। जिससे जिले के युवाओं को बेहतर रोजगार के अवसर मुहैया हो सके तथा उनकी आर्थिक स्थिति बेहतर किया जा सके। कलेक्टर ने कहा है कि आयुष्मान भारत निरामयम योजना अंतर्गत शेष पात्र हितग्राहियों के शत-प्रतिशत आयुष्मान कार्ड बनाने के उद्देश्य से आपके द्वार-निरामयम अभियान के रूप में सेवा माह का क्रियान्वयन किया जा रहा है। यह सेवा माह 7 अप्रैल 2025 तक चलाया जायेगा। उन्होंने अभियान का सफल संचालन कर वांछित लक्ष्य प्राप्त करने के निर्देश मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को दिए। कलेक्टर श्री हर्षल पंचोली आज कलेक्ट्रेट कार्यालय के नर्मदा सभागार में आयोजित समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को निर्देशित कर रहे थे। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री तन्मय वशिष्ठ शर्मा, अपर कलेक्टर श्री दिलीप कुमार पाण्डेय, सहायक कलेक्टर एवं अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पुष्पराजगढ़ श्री महिपाल सिंह गुर्जर, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व जैतहरी श्रीमती अंजली द्विवेदी, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व अनूपपुर श्री सुधाकर सिंह बघेल, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कोतमा श्री अजीत तिर्की सहित विभिन्न विभागों के विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में कलेक्टर ने सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग से प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना में चयनित नवीन ग्रामों में सर्वे कार्य, ग्राम विकास योजना के संबंध में तथा प्रधानमंत्री जन मन योजना के अंतर्गत जनजाति हितग्राहियों के सर्वे एवं आवास के संबंध में जानकारी प्राप्त की। जिस पर सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग द्वारा जानकारी दी गई कि पीएम जनमन योजना के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों का सर्वे किया जा रहा है। जिस पर कलेक्टर ने कहा कि सर्वे में कोई भी पात्र हितग्राही ना छूटे इसका विशेष ध्यान रखा जाए। बैठक में कलेक्टर ने सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग से एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2025-26 हेतु कक्षा 9वी से अंग्रेजी माध्यम की शिक्षा के क्रियान्वयन के संबंध में जानकारी प्राप्त कर शिक्षकों के ट्रेनिंग, किताबों की उपलब्धता, स्टूडेंट का ओरियंटेशन, सेमिनार इत्यादि के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर ने जिला शिक्षा अधिकारी को प्रत्येक गांव का भ्रमण कर बच्चों का स्कूलों में विधिवत नामांकन कराने के निर्देश दिए तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत को ग्राम पंचायतों में अधिकारियों की ड्यूटी भी लगाने हेतु निर्देशित किया, ताकि ज्यादा से ज्यादा बच्चों के नामांकन नवीन शैक्षणिक सत्र में किया जा सके। बैठक में कलेक्टर ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी से टेली मेडिसिन संचालन हेतु किए जा रहे कार्यों की जानकारी प्राप्त की तथा निर्देशित किया कि ग्राम पंचायत स्तर पर जिन अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई है, उन्हें नोडल के रूप में नियुक्त किया जाए तथा खंड चिकित्सा अधिकारी को सहायक नोडल के रूप में नियुक्त किया जाए। इसी प्रकार कलेक्टर ने जिला स्तर पर भी एक कंट्रोल रूम बनाए जाने के निर्देश मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को दिए। ताकि प्राथमिक एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में प्रदाय की जाने वाली टेली मेडिसिन सुविधाओं की मॉनीटरिंग सुनिश्चित की जा सके। जिससे नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। कलेक्टर ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को चिकित्सकीय शिक्षण संस्थाओं की मान्यता हेतु भौतिक निरीक्षण कार्य कराए जाने के संबंध में जानकारी प्राप्त की। जिस पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने कलेक्टर को बताया कि पैरामेडिकल कॉलेज का निरीक्षण हो चुका है तथा शेष संस्थाओं का निरीक्षण शीघ्र ही कर लिया जाएगा। बैठक में कलेक्टर ने नशीले पदार्थों की जांच, दस्तक अभियान, अनुपयोगी एंबुलेंस वाहनों की नियमानुसार नीलामी, जिले में ब्लॉक स्तर पर ब्लड ट्रांसफ्यूजन की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए ब्लड स्टोरेज यूनिट की स्थापना/संचालन हेतु ब्लड बैंक में रेफ्रिजरेटर आवंटन के संबंध में निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। बैठक में कलेक्टर ने सर्व शिक्षा अभियान के डीपीसी से कक्षा प्रथम से अष्टम तक शैक्षणिक सत्र 2025-26 में नि:शुल्क पाठ्य पुस्तक एवं अन्य पाठ्य-पाठन सामग्री के वितरण के संबंध में तथा शासकीय विद्यालयों में गणवेश की राशि के संबंध में भी जानकारी प्राप्त की। बैठक में कलेक्टर ने खाद्य विभाग के अधिकारी को रबी विपणन वर्ष 2025-26 हेतु पंजीयन की स्थिति की जानकारी प्राप्त कर पंजीयन बढ़ाने के निर्देश दिए। इसी प्रकार कलेक्टर ने नगर पालिका अधिकारियों से संपत्ति कर के वसूली के संबंध में जानकारी प्राप्त कर आवश्यक दिशानिर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर ने बोर्ड परीक्षा के मूल्यांकन कार्य, राजस्व विभाग, सीएम हेल्पलाइन प्रकरण, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, कृषि विभाग, मत्स्य विभाग, उद्यानिकी विभाग सहित अन्य विभिन्न विभागों के विभागीय योजनाओं एवं कार्यों की समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

अनूपपुर, बिजुरी पुलिस ने हत्यारे पति को 24 घंटे के अंदर किया गिरफ्तार

अनूपपुर । बिजुरी, महेश प्रसाद पाव पिता श्यामलाल पाव गांव बेनीबहरा का थाना उपस्थित आकर रिपोर्ट किया कि गांव मे होली का त्यौहार था आरोपी बुद्धसेन पाव, अपनी पत्नी मृतिका पुनिया पाव के चरित्र पर शंका करता था इसी कारण बुद्धसेन पाव ने मृतिका पुनिया पाव को मार पीट कर हत्या कर दी है और फरार हो गया है। जिस पर थाना बिजुरी मे अप. क्र 76/25 धारा 103(1) बीएनएस का कायम कर विवेचना मे लिया गया है। हत्या का गंभीर प्रकरण होने पर श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय श्रीमान मोति उर रहमान जी द्वारा तत्काल आरोपी की पता तलाश कर उसकी गिरफ्तारी के निर्देश दिये गये जिसके अनुपालन मे श्रीमान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय श्री इसरार मंसूरी जी और श्रीमान अनुविभागीय अधिकारी पुलिस महोदय श्रीमति आरती शाक्य के निर्देशन में पुलिस टीम गठित की गई जो बिजुरी पुलिस द्वारा अपराध कायमी के 24 घंटे के अंदर हत्या के आरोपी की गिरफ्तार किया जाकर माननीय न्यायालय प्रस्तुत किया जाता है। उक्त कार्यवाही मे निरीक्षक विकास सिंह, उनि. उदित नारायण मिश्रा, सउनि कमलेश तिवारी, सउनि प्रदीप अग्निहोत्री, प्रआर. 171 सतीष मिश्रा, आर. 504 लक्ष्मण दांगी, आर. 349 रामनिवास गुर्जर, आर. 320 अभिषेक शर्मा, आर. 341 राकेश चौहान, आर. 528 प्रभाकर त्रिपाठी, की उल्लेखनीय भूमिका रही।

संत निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन द्वारा लगाये गये रक्तदान शिविर में 139 रक्त वीरों ने किया रक्तदान

गौरव सिंघल । सिटी चीफ (उ प्र) सहारनपुर, नकुड़ संत निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन द्वारा मानव सेवा और परोपकार की भावना को समर्पित रक्तदान शिविर का आयोजन संत निरंकारी सत्संग भवन में किया गया। इस पुनीत कार्य में 139 रक्तदाताओं ने उत्साहपूर्वक रक्तदान कर जिला चिकित्सालय के ब्लड बैंक कोष में अमूल्य योगदान दिया। शिविर का शुभारंभ जोनल इंचार्ज कुलभूषण चौधरी, नगर पालिका अध्यक्ष शिव कुमार गुप्ता, संयोजक धीर सिंह निरंकारी एवं संचालक मामचंद बर्मन निरंकारी द्वारा संयुक्त रूप से फीता काटकर किया गया। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष शिव कुमार गुप्ता ने सभी रक्तदाताओं की निस्वार्थ सेवा की सराहना की और इसे मानव कल्याण के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण योगदान बताया। शिविर संचालक मामचंद निरंकारी ने निरंकारी बाबा हरदेव सिंह महाराज के संदेश को याद दिलाते हुए कहा कि संत निरंकारी मिशन वर्ष 1986 से निरंतर रक्तदान शिविरों का आयोजन कर रहा है ताकि जरूरतमंदों को समय पर रक्त मिल सके और मानव जीवन बचाया जा सके। इस दौरान जोनल इंचार्ज कुलभूषण चौधरी ने सत्संग में उपस्थित संगत को संबोधित करते हुए कहा कि भक्ति मार्ग में वैर नफरत ईर्ष्या के लिए कोई स्थान नहीं है बल्कि प्रेम, दया, करुणा, नम्रता और सहनशीलता से जीवन को सुंदर बनाया जाता है। ब्रांच संयोजक धीर सिंह निरंकारी ने बताया कि संत निरंकारी मिशन न केवल आध्यात्मिक उत्थान के लिए कार्य कर रहा है। ब्रांच मीडिया प्रभारी रामनाथ निरंकारी ने इस सफल आयोजन में सहयोग देने वाले सभी अतिथियों, रक्तदाताओं, साध संगत सेवादल के सदस्यों एवं जिला चिकित्सालय की ब्लड बैंक टीम का हृदय से आभार व्यक्त किया।

दमोह में श्री दिगंबर जैन पुत्री शाला की छत के साथ हुई तोड़फोड़ और चोरी

समिति और शिक्षक पहुंचे एसपी कार्यालय, दिया आवेदन

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ दमोह, दमोह श्री दिगंबर जैन पुत्री शाला 1925 से दमोह नगर के आसाटी वार्ड नंबर 2 में संचालित है यहां प्राइमरी से लेकर मिडिल तक सभी धर्म के बच्चे शिक्षा प्राप्त करते हैं । शाला समिति के लोगों ने पुलिस अधीक्षक श्रुत कीर्ति सोमवंशी को एक आवेदन दिया जिसमें उन्होंने उल्लेख किया है कि 14/03 /20 25 की प्रात: 8:00 बजे शाला समिति को सूचना मिली कि विद्यालय के ऊपर वाले हाल को जैन नन्हे मंदिर समिति द्वारा गिराया जा रहा है । जिसमें कक्षा छठवीं सातवीं आठवीं की कक्षाएं संचालित होती हैं इस हाल को वाचनालय एवं मध्यान भोजन के लिए उपयोग किया जाता है। श्री दिगंबर जैन नन्हे मंदिर समिति दमोह के द्वारा न तो कोई सूचना शाला समिति को दी गई और नाही कोई संपर्क किया और हाल को गिराना प्रारंभ कर दिया गया। इस संबंध में शाला समिति ने दमोह कोतवाली नगर निरीक्षक को आवेदन दिया जिसमें बरसों पुराना शाला रिकॉर्ड पांच सीलिंग फैन 1000 पुस्तक गोदरेज पेटीयां और 600 बच्चों का बैठने का फर्नीचर आदि गोल करने शाला समिति ने आरोप लगाते हुए दमोह कोतवाली नगर निरीक्षक से जांच कर दोषी पाए जाने पर दंडात्मक कार्यवाही की मांग की है। जिस पर आज तक कोई कार्यवाही नहीं हुई है जिसको लेकर पुलिस अधीक्षक दमोह को आवेदन दिया है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सहारनपुर में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के तहत कार्यक्रम में लगे स्टालों का निरीक्षण किया

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने माँ शाकम्भरी देवी विश्वविद्यालय सहारनपुर का निरीक्षण किया

गौरव सिंघल । सिटी चीफ (उप्र) सहारनपुर, अपनी 8 वर्ष की उपलब्धियों को लेकर आत्म विश्वास से लबरेज उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज अपने एक दिवसीय दौरे के दौरान सात कार्यक्रमों में भाग लिया। सभी जगह वर्ष 2027 में होने वाले उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव उनके मन मस्तिष्क में छाया रहा। नौजवानों के रोजगार की चिंता और विकास को गति प्रदान करने की बातें के सम्बोधन में खास फोकस में रही। उन्होंने मुख्य विपक्षी दल सपा के प्रमुख पूर्व मुख्यमंत्री का नाम लिये बगैर कई बार उन पर उंगलियां उठाई। मुख्यमंत्री ने प्रयागराज के महाकुम्भ को अपनी सरकार की अभूतपूर्व उपलब्धी बताते हुए कहा कि करोडों लोगों ने वहां संगम में डुबकी लगायी साथ ही कारोबार दृष्टि से भी दुनिया के सबसे बड़े आयोजन खास भूमिका रही। उन्होंने कहा कि चाय बेचने वाले, दातुन बेचने वाले और फोटोग्राफी जैसे छोटे-छोटे काम धंधों वालों की बढिया आय हुई।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सुबह करीब 11.00 बजे माँ शाकुम्बरी यूनिवर्सिटी गये जहां उन्होंने नवीन भवन का निरीक्षण किया और शिक्षा व्यवस्था का हाल जाना। उन्होंने कहा कि 8 वर्षो के भीतर सहारनपुर में राजकीय यूनिर्विसटी स्थापित कर दिखा दी है। उन्होंने कहा कि सहारनपुर को स्मार्ट सिटी बनाया गया जो आने वाले समय में हकीकत में स्मार्ट सिटी में रूपान्तरित हो जायेगा। उन्होंने सहारनपुर नगर की अर्न्तजनपदीय बस अड्डे की समस्या भी दूर करा दी है। नगर में जल भराव की समस्या भी दूर करा दी जायेगी। उन्होंने राजकीय मेडिकल कालेज में ट्रामा सेन्टर बनाने का भरोसा भी दिया। कहा कि वह अधिकारियों के साथ होने वाली बैठक में उनकी योजनाओं पर विचार करेंगे जो सहारनपुर जिले के हित में होगी। सीएम योगी आदित्यनाथ ने जनमंच में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान एवं अन्य ऋण योजनायें के तहत युवा उद्यमियों को ऋण प्रदान किये। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 24 जनवरी से यह योजना युवाओं को स्वावलम्बी बनाने के लिए शुरू की है। इसमें उनको पांच लाख रुपये तक का ऋण बिना ब्याज और बिना गारन्टी के दिया जायेगा, हर साल एक लाख युवाओं को ऋण दिया जायेगा। इस सम्बन्ध में वह मेरठ, गोरखपुर, झांसी,

आगरा में चैक वितरित कर चुके है। आज सहारनपुर में और इसके बाद दूसरे जिलों का रूख करेंगे। वह इस योजना की सफलता पर कर्ज की राशि दस लाख करने पर विचार करेंगे। उन्होंने कहा कि हाल ही में साठ हजार से ऊपर पुलिस कांस्टेबलों की भर्ती की गयी है उसमें बारह हजार से ज्यादा महिलायें हैं। उन्होंने कहा कि जल्द ही सरसावा हवाई अड्डे पर हवाई यात्रायें शुरू हो जायेगी। सरकार नयें जहाज खरीद रही है। उन्होंने कहा कि दिल्ली, देहरादून की दूरी हाईवे बनाकर कम कर दी गयी है। उन्होंने कहा कि सहारनपुर का काष्ठ कला उद्योग को उनकी सरकार बढावा दे रही है यहां से बड़े स्तर पर लकड़ी की नक्काशी, कलाकृतियों का निर्यात किया जा रहा है। इसी तरह से सहारनपुर में बड़े पैमाने पर कई प्रजातियों का उम्दा आम निर्यात होता है इससे किसानों को पांच सौ, छः सौ रुपये की दर से आय प्राप्त होती है इसको बढावा दिया जायेगा। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उनकी सरकार एक जिला एक उत्पाद को प्रोत्साहित कर रही है जबकि पिछली सरकार में एक जिला एक माफिया को बढावा मिलता था। सूबे का मुखिया 12.00 बजे सोकर उठता था और तैयार होने में भी वक्त लगाता था फिर संगी साथियों से मिलता था उसके पास शासन करने का वक्त ही नहीं था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का कमिश्नर सहारनपुर अटल कुमार राय और जिलाधिकारी सहारनपुर मनीष बंसल ने स्मृति चिन्ह और अंग वस्त्र ओढ़ाकर अभिनन्दन किया। प्रदेश के एमएसएमई विभाग के मंत्री राकेश सचान और इसी विभाग के राज्यमंत्री जसवन्त सैनी ने कहा कि योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश का सर्वांगीण विकास हो रहा है। भर्तियों /नियुक्तियों में ईमानदारी व पारदर्शिता बरती जा रही है। इस अवसर पर प्रभारी मंत्री सुनील शर्मा, राज्य मंत्री बृजेश सिंह, नगर विधायक राजीव गुम्बर, नकुड़ विधायक मुकेश चौधरी और मेरठ जोन के एडीजी ध्रुव कान्त ठाकुर आदि मौजूद रहे।

देवबंद में आयोजित 500 वें आत्म रस कीर्तन दरबार में जुटी सहारनपुर व मुजफ्फरनगर जिले की संगत

रागी जत्थों ने कीर्तन गायन कर किया निहाल

गौरव सिंघल | सिटी चीफ (उ प्र) देवबंद (सहारनपुर), गुरुद्वारा साहिब देवबंद में पिछले 10 सालों से चल रहे साप्ताहिक कीर्तन दरबार के 500 कीर्तन दरबार पूर्ण होने पर गुरुद्वारा श्री गुरु नानक सभा व दशमेश सेवा सोसायटी के तत्वावधान में 500 वां आत्म रस कीर्तन दरबार श्रद्धा व उत्साह से आयोजित की किया गया। दरबार में पंथ प्रसिद्ध रागी जत्थों ने गुरबाणी कीर्तन द्वारा संगत को निहाल किया। गुरुद्वारा साहिब में आयोजित किए गए 500 वें आत्म रस कीर्तन दरबार में भाई जगदीप सिंह (दिल्ली) व भाई जसप्रीत सिंह (भटिण्डा) ने गुरबाणी कीर्तन व वाहेगुरू नाम के जाप से संगत को निहाल किया। देर रात तक संगत गुरुद्वारा साहिब में हाजिरी भरती रही। इससे पूर्व पिछले डेढ़ माह से गुरुद्वारा साहिब में चल रहे श्री गुरू ग्रंथ साहिब के सहज पाठ की भोग डाले गए। गुरुद्वारा कमेटी के प्रधान सेठ कुलदीप कुमार ने संगत को बधाई देते हुए गुरुओं के बताए मार्ग पर चलने का आह्वान किया। कीर्तन दरबार में गुरुद्वारा श्री गुरू सिंह सभा सहारनपुर, गुरुद्वारा छवीं पातशाही पनियाली, गुरुद्वारा गुरू नानक दरबार नागल, गुरुद्वारा श्री गुरू नानक देव सिंह सभा नानौता, गुरुद्वारा बाबा बुड्ढा जी कोटा गागलहेड़ी, गुरुद्वारा साहिब मुजफ्फरनगर, गुरुद्वारा सिंह सभा खतौली की संगत ने हाजिरी भरकर कीर्तन दरबार की रौनक बढाई। गुरूद्वारा कमेटी देवबंद की ओर से संगत लेकर देवबंद पहुंचे सहारनपुर, नागल, पनियाली, गागलहेड़ी, नानौता, मुजफ्फरनगर, खतौली गुरूद्वारों के प्रबंधकों व सेवादारों को सिरोपा देकर सम्मानित किया गया। सिंघ ब्रदर्स डाट कॉम द्वारा कार्यक्रम का यू ट्यूब पर लाइव प्रसारण दिखाया गया। संचालन कर रहे गुरुद्वारा कमेटी के सचिव गुरजोत सिंह सेठी ने सभी का आभार प्रकट किया। कीर्तन दरबार व अरदास उपरांत गुरू का अटूट लंगर बरताया गया। लंगर की सेवा दिलबाग सिंह उप्पल व डा.गुरदीप सिंह सोढ़ी की ओर से की गई। इस दौरान सेठ कुलदीप कुमार, बाबा रणजीत सिंह, बाबा छबेग सिंह, बाबा गुलजार सिंह, बाबा अजीत सिंह, श्याम लाल भारती, बालेंद्र सिंह, बलदीप सिंह, चंद्रदीप सिंह, अमनप्रीत सिंह, भूपेंद्र सिंह खालसा, रविंद्र सिंह, अजय मदान, कृपाल सिंह, सतनाम सिंह खतौली, डा. अनिल कुमार रल्हन, नरेंद्र सिंह, हरविंदर सिंह बेदी, देवेंद्र पाल सिंह,चन्नी बेदी, डा. सुरेंद्र सिंह सोढी, हर्षप्रीत मनचंदा, मनजोत सिंह, मास्टर दविंदर धवलहार, राजीव कक्कड़ आदि मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत् जनप्रतिनिधियों ने ग्राम पंचायत उटावद में नवीन सर्वे की ली जानकारी

खरगोन

कसरावद (खरगोन) ग्राम पंचायत उटावदमें नवीन सर्वे प्रधानमंत्री आवास योजना का आवास प्लस 2.0 जन प्रतिनिधियों ने सर्वे की ली जानकारी। दूसरा चरण में शासन के निर्धारित पात्रता निर्धारण बिंदुओं के तहत् छूटे सर्वेक्षण अंर्तगत जनपद कसरावद के अंतर्गत जनपद सदस्य मंजूला बाई प्रतिनिधि सदस्य मांगीलाल गाडगे (पूर्व कृषि उपज मंडी अध्यक्ष कसरावद) सरपंच मनीषा

बाई सरपंच प्रतिनिधि छितर गाडगे, विरेन्द्र दरबार अध्यक्ष जन समिति उटावद तथा जनप्रतिनिधियों ने तथा ग्राम में भ्रमण किया। भ्रमण के दौरान जनपद पंचायत के विकास खंड समन्वयक महेंद्र पालीवाल भी उपस्थित थे ?। जनप्रतिनिधियों ने ग्राम में भ्रमण के पश्चात् आवास मेला भी आयोजित किया । जिसमें जन प्रतिनिधि पंच व ग्रामीण जन उपस्थित थे।प्रधानमंत्री आवास योजना में पंजीकरण हेतु सर्वेयर जो ग्राम रोजगार सहायक को नियुक्त कर दिशानिर्देश अनुसार प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत् छूटे हुए आवास प्लस सर्वे 2.0 में पात्र हितग्राहियों का सर्वे कर मोबाइल ऐप के माध्यम से हितग्राही आवास योजना के लाभ दिया जानें हेतु पोर्टल पर अपलोड किया जा रहा है अब तक, ग्राम पंचायत उटावद में नवीन सर्वे में 148 पात्र हितग्राहियों का पंजीकरण किया गया है शेष पात्र हितग्राही 52 शेष है जो 31 मार्च 2025 तक सर्वे पूर्ण कर लिया जाएगा। ग्रामीणों को जनपद सदस्य प्रतिनिधि मांगीलाल गाडगे ने ग्रामीणों को कहा जो भी पात्र हितग्राही है वो 31 मार्च के पूर्व पंजीकरण करवा लें। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत कोई भी पात्र हितग्राही छूटे नहीं ग्राम पंचायत सचिव से इस बात का प्रमाण पत्र लिया जाएगा कि ग्राम में पात्र हितग्राही शेष नहीं रहा है।

बलकवाड़ा थाना खलटांका चौकी पुलिस ने जप्त की अवैध 90 लीटर हाथ भट्टी कच्ची महुआ शराब

मौके से किया 1000 लीटर महुआ लहान नष्ट

खरगोन सोमवार को ग्राम घाट बैडीया मे नर्मदा किनारे झाडीयो मे बडी मात्रा मे अवैध कच्ची महुआ शराब बैचने की मूखबिर सुचना मिलने पर पुलिस फोर्स के द्वारा ग्राम घाट बैडीया मे नर्मदा किनारे झाडीयो मे दबीश दी गई जिसमे आरोपी सुरेश के कब्जे से 50-50 लीटर क्षमता वाले प्लास्टीक के दो बडे ड्रमो में कुल 90 लीटर हाथ भट्टी कच्ची महुआ शराब को जप्त मौके पर करीब 1000 लीटर महुआ लहान को भी नष्ट किया गया, जप्त की गई शराब 90

लीटर किमती 9000/- रुपये की ।आरोपी सुरेश के विरुध्द थाना बलकवाडा पर अपराध क्र.77/25 धारा 34(2) आबकारी एक्ट का पंजीबद्ध कर आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जा रहा है।

20 से 26 मार्च तक सभी नगरीय निकायों में आयोजित होगा आवास मेला

खरगोन प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 प्रारंभ होने जा रही है। कलेक्टर भव्या के आदेश पर सभी नगरीय निकायों में 20 से 26 मार्च तक आवास योजना के आवेदनों के लियें आवास मेलो का आयोजन किया जा रहा है। इन मेलो में आवास के लिए शेष पात्र हितग्राहियों की योग्यता का परीक्षण कर ऑनलाइन आवेदन किये जा सकेंगे। प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 के तहत 20 मार्च को

खरगोन निकाय में, 21 मार्च को खरगोन, महेश्वर और मण्डलेश्वर में, 24 मार्च को भीकनगांव में, 25 मार्च को सनावद व बड़वाह में, 26 मार्च को बड़वाह, बिस्टान, कसरावद व करही पाडल्या में आवास मेला आयोजित किया जाएगा। कलेक्टर मित्तल द्वारा सभी निकायों के मुख्य नगर पालिका अधिकारियो को निर्देशित किया है कि आवास मेले को व्यापक प्रचार प्रसार कर जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में आवास मेले आयोजित किये जाएं। साथ ही मेले में आने वाले लोगो की योग्यता का परीक्षण कर नियमानुसार ऑनलाइन आवेदन लिए जाएं।

धर्मेंद्र सेन केश शिल्पी मंडल के प्रतिनिधि

उज्जैन

खाचरोद विगत दिवस नंदकिशोर वर्मा अध्यक्ष मध्य प्रदेश बोर्ड के राज्य मंत्री केश शिल्पी मंडल भोपाल द्वारा नगर पालिका खाचरोद में धर्मेंद्र सेन को नगर पालिका में प्रतिनिधि नियुक्त किया गया। नगर पालिका क्षेत्र में केश शिल्पी बंधुओं की समस्याओं का निराकरण एवं सहायता हेतु कार्य करेंगे। सेन की नियुक्ति पर नगर पालिका अध्यक्ष गोविंद भरावा उपाध्यक्ष दिनेश ठन्ना दीपक सेन संजय नांदेड़ जितेंद्र पांचाल प्रकाश डाबी फारूक अली संदीप सेन गहलोत एवं बढ़ी संख्या में पुष्पमाला पहनाकर

शुभचिंतकों द्वारा बधाई व शुभकामनाएं प्रेषित कर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की !

औषधीय कृषि की ओर बढ़ते कदम

बेरछा के कृषक 8 वर्षों से लगा रहे है अश्वगंधा की फसल

उज्जैन

किसान अभी तक वहीं पुरानी पारंपरिक कृषि करते आ रहे थे किंतु अभी कुछ वर्षों के कुछ किसानों ने कृषि करने तरीका बदला है, कृषि के तरीके के साथ पारंपरिक फसलों के स्थान पर अलग अलग फसलों की ओर भिबड़ने लगे है, ओर इसके चलते किसानों को लाभ भी हो रहा है, आज हम बात कर रहे है, नागदा के पास बसे गांव बेरछा की जहा कृषक सुरेश नंदेड़ा (धाकड़) ने अपनी पारंपरिक कृषि के साथ अपनी कुछ कृषि भूमि को औषधीय फसलों की भूमि बना लिया है ओर प्रतिवर्ष अपने खेतों में औषधीय फसलों को बोन का काम पिछले 8 वर्षों से करते आ रहे है, वर्तमान के भी सुरेश नंदेड़ा ने अपने खेत में औषधीय फसल अश्वगंधा लगा रखा है, जो एक औषधीय पौधा है, पर कई सारी बीमारियों की दवाओं में इसके उपयोग होता है ! वर्तमान सुरेश नंदेड़ा ने लगभग 1 हेक्टेयर भूमि में अश्वगंधा की फसल लगा रखी है जो अब पक कर तैयार है ओर इसको समेटने का काम चल रहा है ! नंदेड़ा के अनुसार अश्वगंधा कई सारी दवाइयों केलिए उपयोग में आती है, ओर इसको खाने से कोई दुष्प्रभाव नहीं है, साथ ही यह रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने ओर थकान को दूर भी करता है ! इसके उपयोग से हड्डी जोड़ के लिए भी बहुत उपयोगी बताया जाता है !

कम पानी के होती है अच्छी फसल कृषक नंदेड़ा ने बताया कि अश्वगंधा एक ऐसी फसल है जो कम पानी में हो जाती है, 15 अक्टूबर से 15 नवंबर माह में इसको बोया जाता है ओर 15 मार्च से 15 अप्रैल में बीच यह तैयार हो जाती है, इस फसल को बहुत कम पानी की आवश्यकता होती है और पुरी फसल को मात्र 4 बार पानी देने कि

जरूरत रहती, खास बात यही भी नंदेड़ा ने बताई कि इस फसल की जड़ (लगभग 25 से 35 हजार रुपए प्रति क्विंटल), पत्ती या सुखा पाला (लगभग 800 रुपए प्रति किलो), ओर बीज (लगभग 500 रुपए प्रतिकिलो) बिक जाता है !

पिता की बीमारी मे काम आई तुलसी सुरेश धाकड़ ने बताया कि पूर्व में उनके पिताजी काफी बीमार हो गए थे और डाक्टरों ने आशा छोड़कर छुट्टी करते हुए, बोल दिया था कि अब यह ज्यादा दिन नहीं जी पाएंगे उड़नघर ले जाने की सलाह दे दी थी, तब किसी आयुर्वेदिक इलाज करनेवाले में सलाह दी थी कि इसको यदि तुलसी के पौधे के आसपास रखा जाए तो यह ठीक हो सकते है, तब नंदेड़ा ने पिता को अपने खेत पर जहा तुलसीबके कुछ पौधे थे वहां रखा ओर आसपास ओर तुलसी के पौधे लगा दिए उसके बाद उनके पिता 5 वर्ष तक जीवित रहे, उस उस तुलसी के पौधे के बीच ही रहे !

180 औषधीय पौधों का बगीचा - नंदेड़ा का लगाव अब औषधीय पौधे पौधे से इतना बढ़ गया की पिछले 8 वर्ष से औषधीय पौधों की खेती करते आ रहे है, जिनमें उन्होंने अश्वगंधा के साथ ही अकरकरा, चियासीट, तुलसी, चिरायता की फसल भी अपने खेत में लगाई, ओर उन्होनें अपने खेत पर एक औषधीय बगीचा भी लगा रखा है ओर उस बगीचे में 180 से अधिक औषधीय पौधे अलग अलग प्रकार के लगा रखे है ! 8 वर्षों के इस वर्ष पहली बार शासन प्रशासन के अधिकारी उनके खेत पर पहुंचे और उनकी फसलों को देखा साथ हिं सुरेश नंदेड़ा इस वर्ष जिले की औषधीय पौधों के कार्यशाला में भीं समिलित हुए जहा वे एक मात्र ऐसे कृषक थे जो औषधीय फसल अपने खेत में बोई हुई थी ओर उसको अपने साथ भी ले थे जहां उनका सम्मान भी हुआ ओर उन्होंने अपने अनुभव भी साझा किए !

अतिक्रमणकर्ताओ ने खुलेआम पत्रकारों की अज्ञात लाश की धमकी दी थी

जम्प मप्र ने धमकाने वालों पर कठोरकार्यवाही का ज्ञापन कलेक्टर, एसपी के नाम सौंपा

उज्जैन

खाचरोद में अतिक्रमण हटाने की मुहिम से नाराज अतिक्रमणकारियों ने पत्रकारों को अपना निशाना बनाया और अधिकारीयों के सामने पत्रकारों को सुनाकर अज्ञात लाश मतलब जान से मारने की धमकी दी. सभी पत्रकारों की सुरक्षा व परिवारजनों की सुरक्षा में जर्नलिस्ट युनियन आफ मप्र (जम्प) के जिला पदाधिकारियों और स्थानीय सदस्यों ने जिलाधीश अधिकारी नीरज सिंह और जिला पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा के नाम एसडीओपी पुष्पा प्रजापति और अपर तहसीलदार सुभाष सुनेरे को अपराधीयों पर कठोर कार्यवाही की मांग का ज्ञापन सोपा. एसडीओपी पुष्पा प्रजापति को जानकारी देकर बताया कि वहा शासकीय अधिकारी कर्मचारी, पुलिस

जवान और आमजन थे. जीसके पुख्ता गवाह सबूत के प्रमाण पत्रकारों के पास सुरक्षित है. प्रशासन किसतरह से शीघ्र ही कठोर कार्यवाही करके पत्रकारिता की स्वतंत्रता और उनके परिवारजनो को भय मुक्त करेगा. खाचरोद तहसील के पत्रकारो द्वारा जनहितेशी जानकारी और प्रशासनिक योजनाओं और अन्य अवैध गतिविधियों को सुचना संकलन द्वारा अखबारों और टिवी चेनलो पर दिखाने का कार्य किया जाता है । एसडीओपी पुष्पा प्रजापति ने कहा कि पत्रकारों को धमकाना गलत है जो भी लोग वहा पर उपस्थित थे उनके सभी के कथन लैकर आरोपीयों पर कठोर कारवाई का आश्वासन दिया हैं ! सुभाष सुनेरे ने कहा कि अतिक्रमण हटाने के वक्त बहुत लोग थे, सभी तरह की बातें होती है, यदी इस पत्रकारों को धमकाने को लेकर कहा है तो पुलिस कार्यवाही होनी चाहिए. ज्ञापन उच्च अधिकारी तक पहुचा दिए जाएगे !

अवैध उत्खनन, अतिक्रमण एवं मिलावट के विरुद्ध व्यापक एवं प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित किए जाने के कलेक्टर ने दिए निर्देश

बाल श्रम एवं भिक्षावृत्ति से प्रभावित बच्चों के पुनर्वास के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं- कलेक्टर सोनिया मीना

वन एवं भू-अर्जन से संबंधित मामलों के शीघ्र निराकरण पर करे विशेष फोकस

कलेक्टर ने की विभागीय कार्यों एवं लंबित प्रकरणों की समीक्षा

नर्मदापुरम सोमवार को कलेक्टर सोनिया मीना ने विभागीय कार्यों और लंबित प्रकरणों की समीक्षा की, जिसमें सभी संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक के दौरान कलेक्टर ने निर्देश दिए कि सभी अनुविभागीय अधिकारी अपने कार्यालय परिसरों के अतिरिक्त अन्य सार्वजनिक स्थलों पर भी जनसुनवाई के सामान्य शिविरों का आयोजन करें, जिससे शिकायतों के शीघ्र निराकरण को अधिक प्रभावी बनाया जा सके। कलेक्टर ने कहा कि जनसुनवाई के दौरान दर्ज शिकायतों का शीघ्र अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने वर्ष 2023-24 के दौरान प्राप्त शिकायतों के त्वरित समाधान पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता बताई। बैठक में कलेक्टर ने अपर कलेक्टर को सामान्य प्रशासन, माइनिंग, पंजीयन विभाग एवं खाद्य सुरक्षा से संबंधित शिकायतों की संख्या में कमी लाने के निर्देश दिए। इसके लिए शिकायतों की स्क्रूटनी करने और शीघ्र समाधान सुनिश्चित करने को कहा गया। इसके अलावा, ओआईसी (सीएम हेल्पलाइन) को 50 दिवस से अधिक लंबित शिकायतों पर विशेष ध्यान देने के लिए निर्देशित किया गया। कलेक्टर ने सीपीग्राम्स पोर्टल के तहत लंबित शिकायतों के निराकरण को प्राथमिकता देने को कहा और निर्देश दिए कि जिन मामलों का समाधान शासन स्तर पर ही संभव है, उनके लिए आवश्यक पत्राचार किया जाए। समीक्षा बैठक में कलेक्टर ने सभी ओआईसी को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि शिकायतें एल-3 या एल-4 स्तर तक न पहुंचे, इसके लिए जिला अधिकारियों को सख्त नियंत्रण रखने को कहा गया। बैठक में कलेक्टर ने एडीएम श्री

सिंह को निर्देशित किया कि सड़क सुरक्षा समिति की मासिक बैठकें नियमित रूप से आयोजित की जाएं और इससे संबंधित सभी आवश्यक कार्यवाहियों को सुनिश्चित किया जाए। ई-ऑफिस प्रणाली लागू करने की प्रगति की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने जिला सूचना अधिकारी को निर्देश दिए कि आगामी 20 मार्च तक सभी विभागों से एंप्लॉय मास्टर डाटा प्राप्त करने हेतु पत्र जारी किए जाएं। उन्होंने अपर कलेक्टर श्री सिंह को खाद्य सुरक्षा संबंधी कार्यवाहियों की नियमित समीक्षा करने और मिलावटी एवं नकली खाद्य पदार्थों के विरुद्ध सतत प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर ने खनन विभाग से जुड़े मामलों की भी समीक्षा की, जिसमें पंजीबद्ध प्रकरणों, अर्थदंड वसूली, चालानी कार्यवाही एवं विभाग में लंबित मामलों पर चर्चा की गई। उन्होंने निर्देश दिए कि अनुविभाग स्तर पर भी ओवरलोडिंग एवं बिना रॉयल्टी के खनिज परिवहन करने वाले वाहनों के विरुद्ध ज़ब्ती की कार्यवाही की जाए। बाल श्रम एवं भिक्षावृत्ति की समस्या पर गंभीरता दिखाते हुए कलेक्टर ने संयुक्त कलेक्टर को निर्देशित किया कि ऐसे बालकों को मुक्त कराकर उनके पुनर्वास के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं। इसके लिए नगर के मुख्य स्थानों पर नियमित रूप से निरीक्षण किए जाने के निर्देश भी दिए गए। उन्होंने सभी शाखाओं में पंजीयों का सुव्यवस्थित संधारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने शस्त्र शाखा से जुड़े सभी पंजीयों को नियमित रूप से संधारित करने के साथ-साथ शस्त्र नवीनीकरण, स्थानांतरण एवं सरेंडर प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक कार्य को निर्धारित समय-सीमा में पूरा कर उसका शीघ्र समाधान सुनिश्चित किया जाए।

कृषक कल्याण योजना के अंतर्गत किसी भी नवीन प्रकरण के लंबित न रहने पर जोर देते हुए कलेक्टर ने निर्देश दिए कि राहत संबंधी मामलों में एसडीएम एवं तहसीलदार स्तर पर कोई भी मामला पेंडिंग न रहे। साथ ही, सभी शाखाओं के प्रभारी अधिकारी अभिलेखों का सुव्यवस्थित संधारण करें और समय-समय पर अपनी शाखाओं का निरीक्षण भी करें। बैठक में कलेक्टर ने आरआई एवं पटवारी के समयमान वेतनमान से जुड़े प्रकरणों को शीघ्र निराकरण करने हेतु विस्तृत कार्य योजना तैयार करने के निर्देश दिए। इसके अलावा, वन एवं भू अर्जन से संबंधित मामलों की समीक्षा करते हुए उन्होंने निर्देश दिए कि जिन मामलों के समाधान में विलंब हो रहा है, उनकी दिन-प्रतिदिन की रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। कलेक्टर सुश्री मीना ने अतिक्रमण के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश देते हुए कहा कि प्रत्येक सप्ताह अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। साथ ही, किस क्षेत्र में और किस प्रकार का अतिक्रमण हटाया गया है, इसकी विस्तृत रिपोर्ट भी संबंधित अधिकारी प्रस्तुत करें। बैठक के दौरान अपर कलेक्टर श्री डीके सिंह, संयुक्त कलेक्टर श्री अनिल जैन, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती संपदा गुर्जर, सिटी मजिस्ट्रेट श्री बृजेंद्र रावत सहित अन्य अधिकारी एवं शाखा प्रभारी उपस्थित रहे।

खाती भूमि ड्रेचिग ग्राउंड पर गोवंश दुर्दशा पूर्ण रूप से जलाए जाने पर भाजपा ने व्यक्त किया रोष

मुख्य नगर पालिका अधिकारी को सौंपा ज्ञापन

धार

धार।खाती भूमि ड्रेचिग ग्राउंड पर गोवंश दुर्दशा पूर्ण रूप से जलाए जाने पर भारतीय जनता पार्टी कुशाभाऊ ठाकरे मंडल अध्यक्ष जयराज देवड़ा के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री विकास डाबर से मिला और इस घटना को दुखद व पीड़ा दायक बताया। इस घटना से नगर में भारी रोष है। ज्ञापन में कहा गया कि इस प्रकार के कृत्य की पुनरावृत्ति ना हो, तथा गौ माता एवं गोवंश का ससम्मान अंतिम संस्कार किया जावे। यदि ऐसा नहीं होता है तो भारतीय जनता पार्टी धार नगर आम जनता के साथ उग्र आंदोलन करेगी। इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता ज्ञानेंद्र त्रिपाठी, मुन्नालाल राठौर, रॉकी आहूजा, कैलाश पिपलोदिया, नरेंद्र राठौड़,चिंटू राठौड़, अंकित वर्मा, कुलदीप आर्य,भरत मालवीय, केशव अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

अमेरिकन पॉडकास्ट में प्रधानमंत्री मोदी की टिप्पणी से खुश हुआ चीन

कहा- अब नहीं टूटेगी ड्रैगन-हाथी की दोस्ती

इंटरनेशलन डेस्क. चीन ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की भारत-चीन संबंधों पर ''सकारात्मक टिप्पणी की सोमवार को सराहना की, जिसमें उन्होंने मतभेद के बजाय संवाद को तरजीह दी है। चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने यहां एक प्रेसवार्ता में अमेरिकी पॉडकास्टर लेक्स फ्रीडमैन के साथ बातचीत में प्रधानमंत्री मोदी की टिप्पणियों पर एक सवाल का जवाब देते हुए कहा कि चीन ने चीन-भारत संबंधों पर प्रधानमंत्री मोदी के हालिया सकारात्मक टिप्पणी पर ध्यान दिया है और इसकी सराहना करता है। माओ ने कहा कि अक्टूबर में रूस के कजान में प्रधानमंत्री मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच सफल बैठक ने द्विपक्षीय संबंधों के सुधार और विकास के लिए रणनीतिक मार्गदर्शन प्रदान किया। उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों ने महत्वपूर्ण आम सहमतियों पर गंभीरतापूर्वक अमल किया है, आदान-प्रदान को मजबूत किया है और सकारात्मक परिणाम प्राप्त किए हैं। उन्होंने कहा, ''मैं इस बात पर जोर देना चाहती हूं कि 2000 से अधिक वर्षों के आपसी संबंधों के इतिहास में दोनों देशों ने मैत्रीपूर्ण आदान-प्रदान बनाए रखा है और दोनों देशों ने सभ्यतागत उपलब्धियों और मानव प्रगति में योगदान देते हुए एक-दूसरे से सीखा है। उन्होंने कहा कि दो सबसे बड़े विकासशील देशों के रूप में, चीन और भारत ने अपने विकास और पुनरोद्धार में तेजी लाने के कार्य को साझा किया है तथा एक-दूसरे की सफलताओं को समझते हैं और उनका समर्थन करते हैं। उन्होंने कहा कि यह 2.8 अरब से अधिक लोगों के मौलिक हितों की पूर्ति करता है, क्षेत्रीय देशों की साझा आकांक्षाओं की पूर्ति करता है, तथा 'ग्लोबल साउथ के मजबूत होने तथा विश्व शांति के लिए अनुकूल होने की ऐतिहासिक प्रवृत्ति का अनुसरण करता है।

उन्होंने चीन के विदेश मंत्री वांग यी के बयान को दोहराते हुए कहा कि दोनों देशों को ऐसा साझेदार बनना चाहिए जो एक-दूसरे की सफलता में योगदान दें और 'हाथी (भारत) और 'ड्रैगन (चीन) का तालमेल बिठाकर साथ चलना ही दोनों देशों के संबंधों के लिए ''एकमात्र सही विकल्प है। उन्होंने कहा कि चीन दोनों नेताओं के बीच महत्वपूर्ण आम सहमति को लागू करने के लिए भारत के साथ मिलकर काम करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि चीन राजनयिक संबंधों की 75वीं वर्षगांठ को एक अवसर के रूप में लेगा और द्विपक्षीय संबंधों को स्थिर और सुदृढ़ विकास के पथ पर आगे बढ़ाएगा। मोदी ने अपने पॉडकास्ट में कहा कि पूर्वी लद्दाख में दोनों देशों की सेनाओं के बीच 2020 में हुई झड़पों से उत्पन्न तनाव को कम करने के लिए राष्ट्रपति शी के साथ उनकी हालिया बातचीत के बाद भारत-चीन सीमा पर सामान्य स्थिति लौट आयी है। विश्व के दो सर्वाधिक जनसंख्या वाले देशों के बीच संबंधों के प्रति आशावादी रुख अपनाते हुए मोदी ने कहा कि पड़ोसियों के बीच मतभेद स्वाभाविक हैं तथा उन्होंने उनके बीच प्राचीन सांस्कृतिक संबंधों पर जोर दिया, जब दोनों सभ्यताएं एक-दूसरे से सीखती थीं तथा उनके बीच बहुत कम संघर्ष होता था। उन्होंने कहा कि उनके प्रयासों का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि उनके मतभेद विवाद में न बदल जाएं और मतभेद के बजाय संवाद को प्राथमिकता देते हैं। उन्होंने कहा कि दोनों देशों ने एक समय वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद में 50 प्रतिशत से अधिक का योगदान दिया था। उन्होंने कहा, हमारा सहयोग न केवल (पारस्परिक रूप से) लाभकारी है, बल्कि वैश्विक शांति और समृद्धि के लिए आवश्यक भी है।

9 महीने बाद अंतरिक्ष से लौटने वाली सुनीता विलियम्स का भारत से क्या है नाता?

इंटरनेशलन डेस्क. सुनीता विलियम्स का नाम न केवल अंतरिक्ष में उनकी उपलब्धियों के कारण प्रसिद्ध है, बल्कि उनके भारत से गहरे रिश्ते के कारण भी वह भारतीयों के लिए एक गर्व की बात रही हैं। नासा की ये अंतरिक्ष यात्री जो 9 महीने से अधिक समय तक अंतरिक्ष में फंसी रहीं, अब आखिरकार 18 मार्च को धरती पर लौटने वाली हैं। आइए जानें सुनीता विलियम्स से जुड़े कुछ ऐसे दिलचस्प और अनजाने फैक्ट्स, जिन्हें जानकर आप भी हैरान हो जाएंगे।

नौसेना पायलट से अंतरिक्ष यात्री बनने का सफर

सुनीता विलियम्स की यात्रा एक नौसेना पायलट से अंतरिक्ष यात्री तक का सफर बेहद प्रेरणादायक है। उन्होंने साल 1987 में अमेरिकी नौसेना में एक हेलीकॉप्टर पायलट के रूप में अपना करियर शुरू किया था और बाद में 1998 में नासा के अंतरिक्ष मिशन का हिस्सा बनीं। वह न केवल पायलट थीं, बल्कि एसएच-60 सीहॉक जैसे विमान उड़ाने का उन्हें 30 से अधिक विमानों का अनुभव भी प्राप्त था। 1999 में नासा की ट्रेनिंग के बाद वह अंतरिक्ष यात्रा के लिए तैयार हो गईं और तब से वह अंतरिक्ष यात्रा में अपने योगदान से पूरी दुनिया में प्रसिद्ध हो गईं।

अंतरिक्ष में बिताए गए समय और स्पेसवॉक की उपलब्धियां

सुनीता विलियम्स ने कुल 321 दिन अंतरिक्ष में बिताए हैं। उन्होंने दो प्रमुख मिशन किए हैं, जिनमें एक्सपीडिशन 14/15 (2006-07) और एक्सपीडिशन 32/33 (2012) शामिल हैं। इन मिशनों में वह अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (ड्डस्स) में 195 दिन और 127 दिन तक रहीं। इसके साथ ही, वह छह बार स्पेसवॉक (अंतरिक्ष में चहलकदमी) करने वाली पहली महिला भी बन चुकी हैं। उन्होंने कुल मिलाकर 56 घंटे 40 मिनट तक अंतरिक्ष में स्पेसवॉक की, जो उन्हें इस क्षेत्र की अग्रणी महिलाओं में से एक बनाता है।

सुनीता विलियम्स का भारत से गहरा नाता है, क्योंकि उनके पिता दीपक पंड्या भारतीय मूल के हैं और गुजरात से ताल्लुक रखते हैं। वह हमेशा भारत और भारतीय संस्कृति के प्रति अपनी विशेष स्नेहभावना व्यक्त करती रही हैं। साल 2007 में अपने पहले अंतरिक्ष मिशन पर जाते वक्त, उन्होंने भारत के अहमदाबाद स्थित साबरमती आश्रम का दौरा किया था और अपने साथ अंतरिक्ष में भगवद गीता और भगवान गणेश की मूर्ति ले गई थीं। ये प्रतीक उनके भारतीय मूल से उनके गहरे जुड़ाव को दर्शाते हैं।

अंतरिक्ष में पहली महिला मैराथन धावक

2007 में, सुनीता विलियम्स ने एक अद्वितीय उपलब्धि हासिल की जब उन्होंने अंतरिक्ष में रहते हुए बोस्टन मैराथन दौड़ी। जीरो ग्रैविटी (शून्य गुरुत्वाकर्षण) में दौड़ना आसान नहीं था, लेकिन सुनीता ने अपने आप को ट्रेडमिल से बांधकर 42.2 किलोमीटर की दूरी तय की। इस दौरान, पृथ्वी पर उनके साथी धावकों ने भी मैराथन में भाग लिया, जिससे वह वर्चुअली जुड़ी रहीं। यह एक ऐतिहासिक उपलब्धि थी, जो अंतरिक्ष में मानव की शारीरिक क्षमता को प्रदर्शित करती है।

कमर्शियल क्रू प्रोग्राम का हिस्सा

साल 2015 में, सुनीता विलियम्स को नासा के कमर्शियल क्रू प्रोग्राम के तहत बोइंग स्टारलाइनर मिशन के लिए चुना गया था। इस मिशन का उद्देश्य अंतरिक्ष यात्रा को निजी कंपनियों के सहयोग से नया आयाम देना था। यह मिशन न केवल अंतरिक्ष के क्षेत्र में, बल्कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भी एक ऐतिहासिक मील का पत्थर साबित हुआ था।

सम्मान और पुरस्कार

सुनीता विलियम्स के करियर के दौरान उन्हें कई प्रतिष्ठित पुरस्कारों से नवाजा गया है, जिनमें नेवी कमेंडेशन मेडल, नासा स्पेसफ्लाइट मेडल, और पद्म भूषण शामिल हैं। उन्हें भारत का तीसरा सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म भूषण 2008 में उनके अंतरिक्ष मिशनों में योगदान के लिए दिया गया था। यह सम्मान न केवल उनके विज्ञान में योगदान को मान्यता प्रदान करता है, बल्कि भारत के साथ उनके गहरे रिश्ते को भी सम्मानित करता है।

बिहार सरकार की नई पहल

नवजातों की देखभाल के लिए 15 अस्पतालों में मदर न्यूबॉर्न केयर यूनिट शुरू

पटना. बिहार सरकार ने नवजात शिशुओं की मृत्यु दर को कम करने के लिए एक बड़ी पहल की है। अब राज्य के 13 जिलों के 15 अनुमंडलीय अस्पतालों में मदर न्यूबोर्न केयर यूनिट की शुरुआत की जाएगी। स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि इन यूनिट्स का उद्देश्य नवजात और उनकी माताओं को उच्च स्तरीय चिकित्सा सुविधा देना है, जिससे नवजात मृत्यु दर में कमी लाई जा सके।

मदर न्यूबोर्न केयर यूनिट विशेष रूप से उन नवजात शिशुओं के लिए तैयार किया गया है, जो जन्म के तुरंत बाद किसी भी गंभीर स्वास्थ्य समस्या का सामना कर रहे हैं। इस यूनिट की खास बात यह है कि इसमें बीमार शिशुओं के साथ उनकी माताओं को भी रखने की व्यवस्था होगी, जिससे दोनों के बीच का जुड़ाव मजबूत बना रहे। इसे 'जीरो सेपरेशन' तकनीक कहा जाता है, जो नवजातों के लिए बेहद लाभकारी मानी जाती है। इस पद्धति के तहत, मां और बच्चे को लगातार साथ रखा जाता है, जिससे शिशु को गर्माहट, सुरक्षा और स्तनपान जैसी महत्वपूर्ण जरूरतें मिलती रहती हैं।

इन अस्पतालों में जल्द शुरू होंगी यूनिट्स

सरकार ने जिन 15 अनुमंडलीय अस्पतालों को मदर न्यूबोर्न केयर यूनिट के लिए चुना है, उनमें शेरघाटी, फारबिसगंज, बनमनखी, सोनपुर, डुमरांव, हथुआ, नवगछिया, बरसोई, बाद, तारापुर, बगहा, दलसिंहसराय, रोसड़ा, राजगीर और हिलसा शामिल हैं। स्वास्थ्य विभाग इन अस्पतालों में आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं को स्थापित करने और आवश्यक संसाधनों को जल्द से जल्द सुचारू रूप से संचालित करने की दिशा में तेजी से कार्य कर रहा है।

कैसे मददगार साबित होंगे ये यूनिट्स?

मदर न्यूबोर्न केयर यूनिट्स नवजात और उनकी माताओं के लिए अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस होंगे।

इन यूनिट्स में नवजातों के स्वास्थ्य की नियमित जांच और उपचार की सुविधा होगी, जिससे समय रहते किसी भी बीमारी का इलाज किया जा सकेगा। प्री-टर्म और कम वजन के शिशुओं को भी यहां विशेष देखभाल मिलेगी, साथ ही संक्रमण से बचाव के लिए पूरी तरह से स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराया जाएगा। इन यूनिट्स में वेंटिलेटरी सपोर्ट जैसी उन्नत चिकित्सा सेवाएं भी दी जाएंगी, जिससे गंभीर रूप से बीमार नवजातों को जीवनरक्षक उपचार मिल सके।

सरकार का प्रयास, नवजातों के लिए बड़ी राहत

बिहार सरकार का यह कदम प्रदेश के स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करने और नवजात शिशुओं की देखभाल के स्तर को बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है। इससे न सिर्फ नवजात मृत्यु दर में कमी आएगी, बल्कि माताओं को भी बेहतरीन देखभाल मिल सकेगी। आने वाले समय में राज्य के अन्य अस्पतालों में भी इस तरह की सुविधाएं उपलब्ध कराने की योजना बनाई जा रही है।

पाकिस्तान ने जम्मू-कश्मीर पर मोदी की टिप्पणी को 'भ्रामक और एकतरफा बताया

इंटरनेशनल डेस्क. पाकिस्तान ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा एक पॉडकास्ट में जम्मू-कश्मीर पर की गई टिप्पणी को 'भ्रामक और एकतरफा बताकर खारिज कर दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने रविवार को अमेरिकी पॉडकास्टर लेक्स फ्रीडमैन के साथ साक्षात्कार के दौरान कहा, भारत की तरफ से शांति के हर प्रयास का जवाब पाकिस्तान ने शत्रुता और विश्वासघात से दिया। उन्होंने उम्मीद जताई कि द्विपक्षीय संबंधों को बेहतर बनाने के लिए पड़ोसी मुल्क के शीर्ष नेताओं को सद्बुद्धि आए।

पाकिस्तान के विदेश कार्यालय ने मोदी की टिप्पणी के संबंध में मीडिया के प्रश्नों के उत्तर में एक बयान जारी किया और उनके दावों को खारिज कर दिया। बयान के अनुसार, ये टिप्पणियां भ्रामक और एकतरफा हैं।

बयान में कहा गया कि इन टिप्पणियों में जानबूझकर जम्मू-कश्मीर के विवाद को नजरअंदाज किया गया है, जो पिछले सात दशकों से अनसुलझा है, जबकि भारत ने संयुक्त राष्ट्र, पाकिस्तान और कश्मीर के लोगों को यह आश्वासन दिया था कि इस विवाद को हल किया जाएगा, लेकिन अब तक इसे हल नहीं किया गया है। पाकिस्तान ने आरोप लगाया है कि भारत पाकिस्तानी धरती पर समस्या पैदा करने में शामिल है।

फ्रांस के नेता ने वापस मांगा स्टैचू ऑफ लिबर्टी, अमेरिका का कड़ा जवाब

नेशनल डेस्क. हाल ही में, एक फ्रांसीसी नेता ने अमेरिका से प्रसिद्ध स्टैचू ऑफ लिबर्टी (स्वतंत्रता की प्रतिमा) को वापस करने की मांग की है, जिसे 1886 में फ्रांस ने अमेरिका को उपहार के रूप में दिया था। यह प्रतिमा न्यूयॉर्क शहर के हाडसन नदी के किनारे स्थित है और एक प्रतीक के रूप में अमेरिका के स्वतंत्रता और लोकतंत्र के आदर्शों को दर्शाती है। लेकिन इस मांग पर प्रतिक्रिया देते हुए अमेरिका ने कड़ा जवाब दिया है और इस विवाद में एक ऐतिहासिक संदर्भ को जोड़ते हुए कहा कि यदि अमेरिका ने द्वितीय विश्व युद्ध में फ्रांस की मदद नहीं की होती, तो आज फ्रांसीसी लोग जर्मन भाषा बोल रहे होते।

क्या है अमेरिका की प्रतिक्रिया

व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव, कैरोलिन लेविट ने इस पर कड़ी प्रतिक्रिया दी और कहा, बिल्कुल नहीं। फ्रांसीसी नेता को यह याद रखना चाहिए कि आज अगर फ्रांस में लोग जर्मन नहीं बोल रहे हैं, तो इसके पीछे सिर्फ और सिर्फ अमेरिका का हाथ था। लेविट ने यह बयान उस समय के ऐतिहासिक संदर्भ को ध्यान में रखते हुए दिया, जब अमेरिका ने द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान फ्रांस को नाजी जर्मनी से मुक्त कराया था। कैरोलिन लेविट ने कहा, अमेरिका ने द्वितीय विश्व युद्ध में फ्रांस को बचाने के लिए अपनी जान की बाजी लगाई थी, और अगर वह मदद न करता, तो फ्रांस आज न केवल युद्ध हार चुका होता, बल्कि वहां की संस्कृति और भाषा भी जर्मन के प्रभाव में होती। यह प्रतिक्रिया अमेरिका द्वारा दिए गए कड़े जवाब का हिस्सा थी, जिसमें उन्होंने फ्रांस को यह याद दिलाया कि स्वतंत्रता की प्रतिमा एक उपहार था, और उसे वापस मांगने के बजाय, फ्रांस को अमेरिका का आभारी होना चाहिए। यह विवाद द्वितीय विश्व युद्ध से जुड़ा हुआ है, जब नाजी जर्मनी ने यूरोप के अधिकांश हिस्से पर कब्जा कर लिया था। 1940 में जर्मन सेना ने फ्रांस पर आक्रमण किया और पेरिस सहित पूरे देश के अधिकांश हिस्सों पर कब्जा कर लिया। फ्रांस की सेना ने नाजी जर्मनी के सामने आत्मसमर्पण कर दिया था, और जर्मन सेना ने फ्रांस के बड़े हिस्से पर कब्जा कर लिया था।

अमेरिका से लौटी हमास समर्थक भारतीय छात्रा ने बताया भयावह अनुभव

बोली-पहले कनाडा भागी फिर...

इंटरनेशनल डेस्क. कोलंबिया यूनिवर्सिटी से पीएचडी कर रही हमास समर्थक भारतीय छात्रा रंजनी श्रीनिवासन ने उस भयावह पल के बारे में बताया, जब संघीय आव्रजन अधिकारियों ने पहली बार विश्वविद्यालय में उसके अपार्टमेंट पर दस्तक दी थी। रंजनी ने हमास के समर्थन के आरोप में उसका छात्र वीजा रद्द किए जाने के बाद खुद अमेरिका छोड़ भारत लौटने का फैसला किया था। 'न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर के मुताबिक, तीन आव्रजन अधिकारी रंजनी (37) की तलाश में जुटे थे। उन्होंने जब पहली बार छात्रा के अपार्टमेंट का

दरवाजा खटखटाया था, तो उसने दरवाजा नहीं खोला था।खबर के अनुसार, अगली रात जब आव्रजन अधिकारी फिर से उसके अपार्टमेंट पहुंचे, तो वह वहां पर नहीं थी। खबर में बताया गया है कि रंजनी ने अपना कुछ सामान बांधा, अपनी बिल्ली को एक दोस्त के पास छोड़ा और लागार्डिया हवाई अड्डे से कनाडा जाने वाली उड़ान में सवार हो गई। इसमें कहा गया है कि न्यायिक वारंट हासिल करने के बाद आव्रजन अधिकारी पिछले बृहस्पतिवार को तीसरी बार रंजनी के अपार्टमेंट पहुंचे और उसके कमरे में दाखिल हुए, लेकिन तब तक वह देश छोड़कर जा चुकी थी। रंजनी ने शुक्रवार को प्रकाशित एक साक्षात्कार में 'न्यूयॉर्क टाइम्स को बताया, माहौल बहुत अस्थिर और खतरनाक लग रहा था। इसलिए मैंने तत्काल यह फैसला लिया। न्यूयॉर्क छोड़ने के बाद यह रंजनी की पहली सार्वजनिक टिप्पणी थी।

रंजनी ने एफ-1 छात्र वीजा पर शहरी नियोजन में डॉक्टरेट की छात्रा के रूप में कोलंबिया विश्वविद्यालय में दाखिला लिया था। अमेरिकी विदेश विभाग ने पांच मार्च को उसका वीजा रद्द कर दिया था। होमलैंड सुरक्षा विभाग ने कहा था कि उसे रंजनी का 11 मार्च का एक वीडियो मिला है, जिसमें वह स्व-निर्वासन के लिए सीमा शुल्क और सीमा सुरक्षा (सीबीपी) के स्मार्टफोन ऐप का इस्तेमाल करती नजर आ रही है। विभाग ने कहा था कि रंजनी का वीजा कथित तौर पर हिंसा और आतंकवाद की वकालत करने तथा हमास समर्थित गतिविधियों में शामिल होने के कारण रद्द किया गया है। 'न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर में कहा गया है कि रंजनी उन चुनिंदा अप्रवासियों में शामिल है, जिन्हें हाल के दिनों में कोलंबिया में आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन एजेंसी की कार्रवाई का सामना करना पड़ा है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569